

आजाद सिपाही

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम
डॉ रमन सिंह बनेंगे
विधानसभा अध्यक्ष,
नामांकन दाखिल किया



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

Admission
2023-24

PLACEMENT
Assistance
Scholarship
Facility
Available

NURSING
BSC NMC
POST BSC (M.Sc. ASST. OF ASSISTANT)

PARAMEDICAL
DIPLOMA
BSC (M.Sc. ASST. OF ASSISTANT)

PHARMACY
DIPLOMA
BSC (M.Sc. ASST. OF ASSISTANT)

Separate Hostel For Boys And Girls

M: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: firsiba@gmail.com
Website: www.florenceinstitira.com

न्यूज रील

विस्फोटक बनाने वाली कंपनी में धमाका, 9 की मौत

नागपुर। बाजारगांव गांव में सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में आज जबरदस्त धमाका हुआ, जिसमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो गयी। यह ब्लॉक सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में कास्ट बूस्टर प्लांट में पैकिंग के वक्त हुआ। ये जानकारी नागपुर ग्रामीण पुलिस ने दी है। बताया जा रहा है कि इस धमाके में 9 लोगों के मौत की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक जब धमाका हुआ तो सोलर कंपनी की युनिट के अंदर कुल 12 कर्मचारी मौजूद थे। यह विस्फोट फर्म के कास्ट बूस्टर प्लांट में हुआ। विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। नागपुर (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक रवि पोद्दार ने कहा कि यह विस्फोट सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में कास्ट बूस्टर प्लांट में पैकिंग के समय हुआ।

मंत्रिमंडल गठन को लेकर जेपी नड्डा के घर बैठक

जयपुर। राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल गठन को लेकर दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पार्टी नेताओं की बैठक शुरू हो गयी है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीपा कुमारी और प्रेमचंद बेरवा समेत अन्य नेता भी मौजूद हैं। नियम के अनुसार राजस्थान में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 30 मंत्री बनाये जा सकते हैं। भाजपा भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री, दीपा कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बेरवा को डिप्टी सीएम बना चुकी है। ऐसे में अब 27 मंत्री और बनाये जा सकते हैं। हालांकि, अभी 20 मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। लोकसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार कर एक बार फिर सायासी समीकरण साधे जा सकते हैं। भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम की शपथ के बाद मंत्रिमंडल गठन को लेकर चर्चा तेज हो गयी थी।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में लोगों से कही अपनी बात

देश के पास भी पैसे होने चाहिए : मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर काशी पहुंचे। विकसित भारत संकल्प यात्रा में पीएम मोदी ने कहा कि आपने जब से मुझे काम दिया तब से चार करोड़ परिवारों को पक्का घर मिल चुका है, फिर भी पता चलता है अभी वे रह गये हैं। अतः तय किया कि लोगों के तक देश भर में जायें पता करें, पूछें क्या मिला, क्या नहीं मिला। विकसित भारत संकल्प यात्रा मेरी भी कसौटी है कि मैंने जो कहा था, चाहा था वैसा हुआ है या नहीं है। वह मैं आपके मुंह से सुनना चाहता हूँ।

पीएम मोदी ने कहा कि देश भी घर की तरह है। घर में पैसे होने चाहिए। जैसे ही देश के पास भी पैसे होने चाहिए। इससे हर किसी की जरूरतें पूरी होती हैं। भारत विकसित हो गया न तो मुसीबतें खत्म हो जायेंगी। आपके सेवक के नाते, सांसद के नाते मैं काम करूँगा लेकिन आपने जो मुझे जो देश का काम किया है महादेव की कृपा से पीछे नहीं रहूँगा। अतः यात्रा कम से कम काशी में तो डीली नहीं रहनी चाहिए।

अमीर गरीब का भेद मिट गया: पीएम मोदी ने कहा कि एक सरकारी मुलाजिम जब यह सुनता है कि उसके काम से किसी को फायदा मिल गया तो उसे सुकून मिलता है। मुझे भी अच्छा लगता है जब लोग कहते हैं मुझे फायदा मिला। एक बहन कह रही थी, अमीर गरीब का भेद मिट गया। जब वो कहता है कि जब मैं पक्के घर में रहने गया, तो आत्मविश्वास इतना बढ़ गया।



मोदी ने 'सुरत डायमंड बोर्स' का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात में बने सुरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग का इनांगरेशन किया। ये सबसे बड़ी इंटरकनेक्टेड और अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पैदागन से बड़ी ऑफिस बिल्डिंग है। इसमें 4500 से अधिक दफ्तर हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने सुरत एयरपोर्ट पर नये इंटीग्रेटेड टर्मिनल का उद्घाटन किया और रोड शो भी किया। सुरत डायमंड बोर्स को 3,500 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन फरवरी 2015 में शुरू हुआ था। अप्रैल 2022 में इसका काम पूरा हुआ। सुरत डायमंड बोर्स को सुरत की डायमंड इंडस्ट्री ने मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेडिंग दोनों के लिए वन-स्टॉप हब के रूप में स्थापित किया है। सुरत दुनिया के 92% नेचुरल डायमंड की मैन्युफैक्चरिंग करता है।

काशी तमिल ट्रेन को दिखायी हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री धर्मदेव प्रधान और अन्य नेता वाराणसी के नमो घाट पर काशी तमिल संगमम 2.0 के उद्घाटन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के नमो घाट पर काशी तमिल संगमम 2.0 का उद्घाटन किया। पीएम ने रिमोट का बटन दबा कर उद्घाटन किया। इस दौरान हर-हर महादेव के उद्घोष से पूरा परिसर गूँज उठा। इस मौके पर उन्होंने काशी तमिल एक्सप्रेस को हरी झंडी भी दिखायी।

पक्का घर मिलते ही दीवारें नहीं, छत ही नहीं जिंदगी आत्मविश्वास से भर गयी है। उस लाभार्थी के मुँह से सुन लगता है, जीवन धन्य हो गया कि चलो किसी की जिंदगी में बदलाव आ गया।

मन बन गया तो मंजिल दूर नहीं रहती

पीएम मोदी ने कहा कि हर एक की शक्ति का सम्मान होना चाहिए। एक बार मन में यह बीज हो गया तो 2047 तक विकसित भारत बन जायेगा। इस वटवृक्ष की छाया आपके ही बच्चों को मिलने वाली है। इसलिए हर नागरिक का मन बनना चाहिए। मन बन गया तो मंजिल दूर नहीं रहती। विकसित भारत संकल्प यात्रा राजनीतिक दल नहीं देश का काम है। पवित्र काम है। मैं भले देश का प्रधानमंत्री हूँ, लेकिन मेरे मन में बड़ी उमंग है आपके बीच आने की। देश में जहाँ कहीं भी विकसित भारत यात्रा जाए उसका स्वागत होना चाहिए, जिन्हें लाभ मिला है बतायें। अच्छी बात बताते से भी अच्छाई का वातावरण हो जाता है। विकसित भारत यात्रा बहुत बड़ा संकल्प है। इसे अपने संकल्पों से ही सिद्ध करना है।

पीएम ने एंबुलेंस को दिया रास्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला जब एयरपोर्ट से शहर की तरफ निकला, तो गिलट बाजार के पास पीएम मोदी ने पीछे से आ रही एक एंबुलेंस को रास्ता दिया। इसके लिए पीएम ने अपने काफिले को साइड करवाया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

गूँज महोत्सव आज से गवर्नर करेंगे उद्घाटन

तैयारियां पूरी, सिल्ली स्टेडियम सज-धजकर तैयार

नयी ऊर्जा के साथ प्रगति की नयी यात्रा का ध्येय निर्धारित कई सेवा और कार्यक्रमों के साथ विकास को गतिमान करेगा महोत्सव



उत्साह और उल्लास के संग कैंडल मार्च

महोत्सव के आगाज के साथ रविवार की शाम सिल्ली विधानसभा क्षेत्र की सभी पंचायतों में कैंडल मार्च निकाला गया। शहरी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में लोग कैंडल मार्च में शामिल हुए। इस मार्च के जरिये विकास उत्सव में एकजुटता और सामूहिक भागीदारी के संदेश दिया गया। इस दौरान सामूहिक गीत गाये गये। उधर सिल्ली स्टेडियम रोशनी से जगमग है। गूँज परिवार के हजारां सदस्य महोत्सव की सफलता को लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाने में दिन- रात जुटे हैं।

इस ध्येय के तहत सेवा और सम्मान के कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। साथ ही संस्कृति, परंपरा को संरक्षित, लोक कलाकारों को मंच देने की भी तैयारी है। जनकल्याण को लेकर सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर कई शिवािर लगाये जायेंगे। विविध आयाम से जुड़े इस महोत्सव के जरिये वैसे अवसर भी तैयार किये जाने हैं, जिनसे सिल्ली विधानसभा क्षेत्र का वर्तमान और भविष्य संवारा जा सके।

छऊ नृत्य होगा आकर्षण : उद्घाटन के दिन, 18 दिसंबर को स्टेडियम परिसर में ही झारखंड आंदोलन के प्रणेता और पढ़ा तथा लड़ो का नारा देने वाले विनोद बिहारी महतो की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धाजलि दी जायेगी। इसके बाद छऊ नृत्य कलाकारों का प्रदर्शन होगा। साथ ही स्कूली छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये जायेंगे। इन कार्यक्रमों के रिहसल पूरे कर लिये गये हैं।

मदुरै की फर्म की 207 करोड़ की संपत्ति जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। रविवार को इडी ने कहा कि धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लाँड्रिंग जांच में तमिलनाडु में मौजूद 207 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को जब्त किया गया है। तमिलनाडु पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज एफआइआर के आधार पर इडी

ने मामले की जांच शुरू की है। प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि नियोमैक्स समूह की कंपनियों ने जनता से करोड़ों रुपये इकट्ठा किये, जिसके बाद पैसों को शेल से जुड़ी संस्थाओं, समूह कंपनियों और अन्य वाह्य समूह में लगा दिये और निवेशकों को धोखा दिया। साथ ही आरोप है कि कंपनी ने अपराधिक आय को छुपाने के कई हथकंडे अपनाये, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। इडी ने कहा कि खातों से संबंधित किताबों में हेरफेर की गयी थी। समूह के ऑडिटर ने अपने बयान में इस बात को स्वीकार किया है।

तोरपा के पंडिपुरिंग जलप्रपात में डूबने से कोचिंग संचालक की मौत, दो छात्र बचे

पिकनिक मनाने आये थे 40 लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के कोचिंग संचालक संतोष कुमार मेहता (35 वर्ष) की तोरपा स्थित पंडिपुरिंग जलप्रपात में डूबने से मौत हो गयी। वह रातू रोड में अध्ययन केंद्र नामक कोचिंग सेंटर के निदेशक थे। वह टोरी चंदवा के रहनेवाले थे। जानकारी के अनुसार अध्ययन केंद्र रांची से 40 लोग पिकनिक मनाने पंडिपुरिंग जलप्रपात पहुंचे थे। इनमें केंद्र में पढ़नेवाले विद्यार्थी और शिक्षक शामिल थे।



संतोष मेहता (फाइल फोटो)

सभी एक बस से पंडिपुरिंग जलप्रपात पहुंचे थे। सेंटर के शिक्षकों ने बताया

कि यहां कुछ लोग खाना बनाने में व्यस्त हो गये। कुछ लोग नदी में नहाने चले गये। संतोष कुमार मेहता और सेंटर के दो छात्र रितेश एवं अमन भी नदी में नहाने चले गये। इसी बीच संतोष अचानक पानी में डूबने लगे। यह देख रितेश और अमन उन्हें बचाने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने संतोष का हाथ पकड़ कर बाहर निकालने की कोशिश की, परंतु इस क्रम में रितेश एवं अमन भी डूबने लगे। वहां नहा रहे अन्य लोगों ने दोनों को बचाया। लोगों ने संतोष को भी बचाने की कोशिश की, परंतु वे पानी में अंदर डूब गये। अस्पताल ले

जाने के क्रम में उनकी मौत हो गयी।

सूचना पाकर पर्यटक मित्र वहां पहुंचे। उन्होंने पानी के अंदर जाकर संतोष को बाहर निकाला। उन्हें बस से रेफरल अस्पताल तोरपा लाया गया, परंतु अस्पताल के पूर्व ही उनकी मौत हो गयी। संतोष अपने घर के इकलौते पुत्र थे। उनकी मौत सुनकर परिवारवालों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इसके अलावा संतोष मेहता के साथ पिकनिक मनाने गये उनके सहकर्मियों और विद्यार्थियों में शोक की लहर है।

अब 'बैंकों' में शिशुओं के लिए मिलेगा मां का दूध

चार जिलों में नवजात को मां का दूध मिलेगा

मां का दूध उपलब्ध कराने के लिए बन रहे स्पेशल बैंक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 'बैंकों' में मां का दूध मिलेगा। यह सुनकर भले ही आपको अटपटा लगे, लेकिन यह शत-प्रतिशत सही है। झारखंड के चार शहरों में ऐसे मिलक बैंक बनने जा रहे हैं, जो नवजात शिशुओं के लिए वरदान साबित होंगे। कई बार नवजात मां के दूध से कई कारणों से वंचित रह जाते हैं। अब ऐसे शिशुओं की माताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अब



उन्हें बैंक से ही मां का दूध मिल जायेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राज्य योजना के तहत राज्य के बोकारो, दुमका, हजारीबाग और रांची के अस्पतालों में मानव दूध बैंक यानी ह्यूमन मिलक बैंक बनाने की तैयारी स्वास्थ्य विभाग ने पूरी कर ली है। डॉक्टरों के मुताबिक

कई माताओं को प्रसव के बाद दूध नहीं होता। इसलिए उनका नवजात स्तनपान से वंचित हो जाता है। कई ऐसे बच्चे भी हैं, जिनकी माता किसी कारणवश दुनिया में नहीं हैं। ऐसे शिशुओं को बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग चार शहरों में मानव दूध बैंक बनाने जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार स्तन के

विभागीय अधिकारियों के अनुसार इसकी स्थापना पर सवा करोड़ रुपये खर्च होंगे। टैंडर का प्रोसेस भी शुरू हो चुका है। इसके लिए दो तिहाई राशि केंद्र और एक चौथाई राज्य बजट से खर्च होगी। इसके लिए चयनित एजेंसी दूध दान करने वालों के बीच जागरूकता अभियान भी चलायेगी। इस संबंध में डॉक्टरों का कहना है कि प्रत्येक 100 प्रसूता माता में से तीन चार के साथ ऐसी समस्या आती है। नवजात बच्चे स्तनपान के बिना कई प्रकार की बीमारियों से ग्रसित होते हैं। दूध बैंक में महिलाएं अपनी इच्छा से दूध दान भी कर सकेंगी। डॉक्टरों के अनुसार स्तन के

Deals in :
All types of CP Bath fitting,
Pumps, Sanitaryware,
Pipes & fitting

YASH ENTERPRISES

J.J. Road, Beside, Deepak Trading, Upper Bazar, Ranchi-01
Ratan Prasad
Mob. : 9835901322, 9709082614



ऐसे तो कारगर नहीं होगा कांग्रेस का 2024 जीतने का प्लान

क्राउड फंडिंग या संगठन में मामूली फेरबदल से नहीं होगा पार्टी का बेड़ा पार

बुजुर्ग और पुराने चेहरों की बजाय युवा कंधों पर करना होगा अधिक भरोसा

पांच राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में शर्मनाक पराजय झेलनेवाली कांग्रेस ने 2024 के लिए एक मेगा प्लान तैयार किया है, जिस पर अमल कर वह राजनीति की मुख्यधारा में वापस आने की संभावना देख रही है। यह प्लान चार सूत्री है, जिसमें पहला पार्टी को गांधी-नेहरू की छाया से दूर कर मल्लिकार्जुन खड़गे को पीएम पद का चेहरा घोषित करना। कांग्रेसी प्लान का दूसरा बिंदु संगठनात्मक फेरबदल कर युवा कंधों पर अधिक जिम्मेवारी देना है, जिसकी शुरुआत मध्यप्रदेश से कर दी गयी है। प्लान

के तीसरे चरण में विपक्षी इंडी अलायंस के सहयोगियों के बीच समन्वय स्थापित कर सीट शेयरिंग को जल्द से जल्द अंतिम रूप देना है और अंतिम चरण में बेरोजगारी और महंगाई के साथ जातिगत जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठाना है। कांग्रेस आलाकमान ने यह मेगा प्लान तो तैयार कर लिया है, लेकिन

आजाद सिपाही विशेष

उसे शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि उसका यह प्लान तब तक कारगर नहीं हो सकता, जब तक कि वह अपने शीर्षस्थ नेताओं की जिम्मेदारियों और योगदान का ईमानदारी से मूल्यांकन नहीं करता। 138 साल पुरानी पार्टी यदि गांधी-नेहरू परिवार की छाया से अलग होने का हिम्मत जुटा लेती है, तो इसकी कीमत

सुकाने के लिए उसे तैयार रहना होगा। कागज पर तो इसे कहा जा सकता है, लेकिन इसे धरातल पर उतारना कठिन है। संगठन में भी मामूली फेरबदल से पार्टी का काम नहीं चलनेवाला है, बल्कि बड़े स्तर पर उसे यह एक्सरसाइज करना होगा। इसके अलावा गठबंधन के सहयोगियों को विश्वास में लिये बिना प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर देना, अलायंस के साथ न्याय नहीं है। कांग्रेस के इस मेगा प्लान में क्या कमजोरियाँ हैं और 2024 में इसका क्या असर हो सकता है, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

अपनी कार्यसमिति की बैठक बुलायी है। इससे पहले 19 दिसंबर को इंडी अलायंस की बैठक भी होगी, जिसमें सीट शेयरिंग और प्रचार अभियान पर चर्चा किये जाने की संभावना है। इसके अलावा बैठक में नीतीश कुमार को गठबंधन का संयोजक बनाये जाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा सकता है। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह गठबंधन की बैठक में 'मैं' की बजाय 'हम' पर जोर देगी, यानी अब कांग्रेस सामूहिक ताकत का सहारा लेने के लिए तैयार है। बैठक में एक मुख्य सकारात्मक एजेंडा बनाने, सीट के बंटवारे और संयुक्त रैलियाँ आयोजित करने के कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों का इरादा एकजुटता बनाये रखते हुए 'मैं नहीं, हम' नारे के साथ आगे बढ़ने का है। बैठक में बेरोजगारी, महंगाई और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को चुनाव के केंद्र में लाने के लिए रणनीति भी तैयार की जायेगी।

गांधी-नेहरू परिवार की छाया से बाहर निकलेगी पार्टी

कांग्रेस के मेगा प्लान का पहला हिस्सा पार्टी को गांधी-नेहरू परिवार की छाया से बाहर निकालने से संबंधित है। इसके तहत राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी को पार्टी



संगठन की जिम्मेदारियों से मुक्त कर प्रचार अभियान के लिए सुरक्षित रखा जायेगा। इसके अलावा राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा संस्करण भी शुरू किये जाने की संभावना है। यह यात्रा पश्चिम से पूर्वोत्तर के बीच होगी। सोनिया गांधी हमेशा की तरह पार्टी की 'गार्डिंग फोर्स' बनी रहेंगी। लेकिन कांग्रेस की यह योजना कितनी कारगर होगी, इस पर अभी संदेह है। पुराने कांग्रेसियों का कहना है कि गांधी-नेहरू परिवार की छाया से बाहर आते ही पार्टी के बिखरने का खतरा पैदा हो जायेगा। उस स्थिति में 2024 में पार्टी की संभावनाएँ कमजोर पड़ जायेंगी।

खड़गे होंगे पीएम पद के उम्मीदवार

कांग्रेस के मेगा प्लान का दूसरा बिंदु पीएम पद का चेहरा है। कांग्रेस पहले राहुल गांधी को पीएम पद का उम्मीदवार बनाने के लिए तैयार थी, लेकिन हिंदी पट्टी के राज्यों में हुई पराजय ने कांग्रेस आलाकमान को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया है। अब कांग्रेस ने इस पद के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे करने का फैसला किया है। सोनिया गांधी ने कहा है कि खड़गे भारत की आत्मा के लिए इस ऐतिहासिक लड़ाई में कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करने के

लिए सबसे उपयुक्त हैं। लेकिन यह कड़वी सच्चाई है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का चेहरा हिंदी पट्टी के लोगों को आकर्षित करने में कारगर नहीं होगा। इस फैसले में सबसे बड़ा पेंच खड़गे की उम्र और गठबंधन के दूसरे सहयोगियों की रजामंदी भी हो सकती है। खड़गे 81 साल के हो चुके हैं और उम्र का यह पड़व उन्हें पीएम पद के सर्वथा अयोग्य बनाता है, क्योंकि इस बड़ौ जिम्मेदारी को निभाने के लिए जिस ऊर्जा की जरूरत होती है, वह खड़गे में अब नहीं हो सकती। उन्हें पीएम पद का प्रत्याशी बनाया जाये या नहीं, यह फैसला यदि केवल कांग्रेस करती है और

गठबंधन के दूसरे घटक इसके लिए तैयार नहीं होते हैं, तो यह रणनीति बुरी तरह पिट जायेगी। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता कांग्रेस के इस फैसले को मानेंगे, इसमें अभी से संदेह व्यक्त किये जाने लगे हैं।

क्राउड फंडिंग के जरिये लोगों के पास जायेगी कांग्रेस

कांग्रेस के मेगा प्लान का तीसरा चरण क्राउड फंडिंग के जरिये लोगों के पास जाना है। इसमें अभी से संदेह व्यक्त किये जा चुके हैं और पार्टी ने इस

संकट से उबरने के लिए रणनीति बना ली है। पार्टी जल्द ही एक राष्ट्रव्यापी क्राउड फंडिंग अभियान शुरू करेगी। इसके तहत आम लोगों से 1380 रुपये या उससे अधिक की सहयोग राशि मांगी जायेगी। यह रकम ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में दी जा सकेगी और इसके बदले में सहयोग देनेवालों को सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन के हस्ताक्षर वाला प्रमाण पत्र दिया जायेगा। पार्टी का मानना है कि आम लोगों से आर्थिक मदद मांग कर उनके साथ आसानी से जुड़ा जा सकता है। कांग्रेस के पास 805.68 करोड़ रुपये की संपत्ति है। इसकी तुलना में भारतीय जनता पार्टी के पास 6,046.81 करोड़ रुपये हैं। पिछले सात वर्षों में कांग्रेस के लिए कॉर्पोरेट चंदा भी लगातार कम हुआ है, जबकि भाजपा लगातार बढ़ रही है। जनता से चंदा मांगने का कांग्रेस का कदम आम आदमी पार्टी की तर्ज पर प्रतीत होता है, जो ऑनलाइन चंदा मांगती है। पार्टी 2019 के लोकसभा चुनावों के लिए भी इस रास्ते पर चली गयी थी, क्योंकि उसके कुछ कार्यालयों को चलाने के लिए धन खत्म हो गया था। इसके अलावा आम आदमी पार्टी ने 'लंच विद सीएम' कार्यक्रम शुरू किया था। इसमें आम लोगों को अरविंद केजरीवाल के साथ लंच और

डिनर करने का मौका मिला था। इसके बदले उन्हें पार्टी फंड में पैसे देने होते थे। कांग्रेस भी इसी तर्ज पर अभियान शुरू कर सकती है।

संगठनात्मक फेरबदल की शुरुआत

कांग्रेस के मेगा प्लान का अंतिम चरण संगठनात्मक फेरबदल है। इसकी शुरुआत भी कर दी गयी है। मध्यप्रदेश में कमलनाथ की जगह जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। उमंग सिंधार को नेता प्रतिपक्ष और हेमंत कटारे को उपनेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। ये सभी युवा चेहरे हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के दिग्गज नेता चरण दास महंत को विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया है। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल इन दो राज्यों से ही काम नहीं चलेगा। पार्टी को केंद्रीय स्तर पर भी बड़े बदलाव करने की जरूरत है। ऐसे में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस संगठन में कितना बदलाव करती है। कुल मिला कर कांग्रेस का यह मेगा प्लान चुनाव जिताने का काम, पार्टी के भीतर गुटबाजी का नया दौर शुरू करने का प्रयास अधिक दिखता है। अब यह तो समय ही बतायेगा कि कांग्रेस का यह प्लान कितना कारगर होता है।

राजनीतिक हलचल

तेजस्वी यादव ने युवाओं को दी नसीहत आज बहुत से लोग फर्जी डिग्री लेकर घूम रहे, चाहता तो मैं भी...



पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने खिलाड़ियों और उनके परिवार वालों को सलाह दी है कि बच्चों को डिग्री जरूर ले लेनी चाहिए। इस दौरान तेजस्वी ने फर्जी डिग्री लेने वालों पर भी तीज कसा और कहा कि बाजार में बहुत से ऐसे लोग हैं, जो फर्जी डिग्री लेकर घूम रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव शनिवार को एक निजी स्कूल के स्पोर्ट्स मीट में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने ये बातें कहीं। तेजस्वी ने कहा कि डिग्री बहुत जरूरी है। अपना उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता दोनों

मुख्यमंत्री रहे हैं। चाहते तो डिग्री मिल जाती, लेकिन उन्होंने डिग्री नहीं ली। आज बहुत से लोग हैं जो फर्जी डिग्री लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा वे यह नहीं कहते कि पढ़ोगे-लिखोगे तो होंगे नवाब और खिलोंगे कूदोगे तो होंगे खराब। अब जमाना बदल गया है। पुरानी कहावत नहीं चलेगी। आज तो स्पोर्ट्स का जमाना है। खेलकूद की महत्ता और बढ़ी है। बाहर निकलिये, खेलिये, परंतु दवाओं से बचकर रहिये। खिलाड़ी का काम खेलना है। जरूर खेलिये, मगर डिग्री जरूर ले लीजियेगा।

तीन राज्यों में हार के बाद कांग्रेस ने बुलायी सीडब्ल्यूसी की बैठक

2024 के आम चुनाव की रणनीति पर हो सकती है चर्चा

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 2024 के आम चुनावों की रणनीति पर विचार-विमर्श करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने के वास्ते चुनाव अभियान की योजना तैयार करने के लिए 21 दिसंबर को अपनी कार्य समिति की बैठक बुलायी है। सूत्रों ने बताया कि बैठक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय में होगी। यह बैठक विपक्षी गुट इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंकलूसिव अलायंस' (इंडिया) की 19 दिसंबर को होने वाली बैठक के दो दिन बाद होगी और इस दौरान सीट के बंटवारे एवं प्रचार अभियान पर चर्चा किये जाने की संभावना है।

सीट के बंटवारे समेत इन मुद्दों पर होगी चर्चा। जनकारी के अनुसार बैठक में राहुल गांधी की यात्रा की संभावना पर भी चर्चा हो सकती है। राहुल 2024 के चुनावों से पहले बेरोजगारी और महंगाई को मुख्य मुद्दा बनाकर यात्रा कर सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि पार्टी पैदल सहित हाईब्रिड' (ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों) माध्यम से पूर्व से पंथिम की बैठक से पहले विपक्षी गुट इंडिया' के नेताओं



आम चुनावों की रणनीति पर होगा मंथन

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों का इरादा एकजुटता बनाये रखते हुए "मैं नहीं, हम" नारे के साथ आगे बढ़ने का है। यह बैठक हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में होगी। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। उसने तेलंगाना में सरकार का गठन किया। पार्टी को मिजोरम में भी हार का सामना करना पड़ा सीडब्ल्यूसी की बैठक में हालिया विधानसभा चुनाव परिणाम का विश्लेषण भी किया जायेगा। पार्टी अपनी हार के कारणों और 2024 में होने वाले आम चुनावों की रणनीति पर विचार-विमर्श करेगी।

संबंध में जल्द ही अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक से पहले विपक्षी गुट इंडिया' के नेताओं

की चौथी बैठक 19 दिसंबर को अपराह्न तीन बजे नयी दिल्ली में होगी। इंडिया' की इस बैठक में एक "मुख्य सकारात्मक

एजेंडा" बनाने, सीट के बंटवारे और संयुक्त रैलियाँ आयोजित करने के कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है।

अध्यक्ष पद से हटाये जाने से कमलनाथ हुए नाराज!

संगठन प्रभारी और प्रदेश प्रभारी को दीं शुभकामनाएं



मध्यप्रदेश में कांग्रेस के हारने के बाद भी जब पार्टी अध्यक्ष कमलनाथ ने इस्तीफा नहीं दिया तो पार्टी ने वहां पर बदलाव कर दिया। कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी को मध्य प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया। पटवारी को अध्यक्ष बनाये जाने कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता कमलनाथ के नाराज होने की चर्चाएं हैं। दरअसल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने रविवार को ट्वीट कर पार्टी में हुए बदलाव के बाद प्रदेश अध्यक्ष समेत नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष को बर्खास्त किया। इस बर्खास्त के साथ-साथ उन्होंने दो अन्य नेताओं को इस बर्खास्त में शामिल किया उसके बाद यह कयास लगाये जाने लगे कि कमलनाथ इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता भी कहते हैं, जब पार्टी का बेहतर प्रदर्शन ही नहीं रहा तो कमलनाथ ने पार्टी के प्रदेश प्रभारी और संगठन प्रभारी को बर्खास्त किस आधार पर दी। हालांकि पार्टी अब मध्य प्रदेश की तर्ज पर ही आगे की सियासत को बढ़ाने की तैयारी कर रही है।



फैसला ले लिया। कांग्रेस पार्टी के सियासी गलियारों में जीते कुछ समय से इस बात की चर्चा हो रही थी कि आखिर मध्य प्रदेश में हार की जिम्मेदारी किसकी है। लेकिन सभी नेता जिम्मेदार नेता हार की जिम्मेदारी लेने की बजाये इवोपम पर ठीकरा फोड़ रहे थे। इसी दौरान पार्टी ने आखिरकार एक इंतजार के बाद कमलनाथ को अध्यक्ष पद से हटा दिया। इस बड़े फैसले के बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और कद्दावर नेता कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी के नये प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार समेत उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे को बर्खास्त किया। लेकिन इसी बर्खास्त के साथ कमलनाथ ने पार्टी के संगठन प्रभारी के वेणुगोपाल और प्रदेश के प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला को भी बर्खास्त दे डाली।



जन भावनाओं को समझती है भाजपा : बाबूलाल मरांडी

सभी वर्गों में भाजपा के प्रति बढ़ा है विश्वास

तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए जनता संकल्पित

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। भाजपा का मिलन कार्यक्रम नामकुम में रविवार को हुआ। इसमें जिला परिषद सदस्य रामावतार केरकेड़ा और खिजरी ग्राम पंचायत की मुखिया कमेली कच्छप के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने पार्टी का दामन थामा।

बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में शपथ ग्रहण करते हुए कहा था कि उनकी सरकार गांव, गरीब, किसान, आदिवासी, दलित, पिछड़ा सहित सबका साथ-सबका विकास को समर्पित रहेगी। साढ़े नौ वर्षों से मोदी सरकार अपने वादों पर खरा उतर रही है। इसलिए जनता का विश्वास मोदी सरकार पर बढ़



विश्वकर्मा योजना से कारीगरों को मजबूती

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना गांव के हुनरमंद पारंपरिक कारीगरों को मजबूत करेगी। भाजपा जनभावनाओं को समझती है। 50वर्षों तक कांग्रेस पार्टी ने अलग राज्य आंदोलन को दबाया, लेकिन अटल जी के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अलग झारखंड राज्य का सपना साकार किया। आदिवासी समाज के विकास का द्विदोस पीटने वाले आज आदिवासियों को लूट रहे। वहीं भाजपा की सरकार ने आदिवासियों को सम्मान देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कहा कि भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता जनता के साथ खड़ा होकर राज्य की 14 लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशी को जीत दिलाने और प्रदेश में भी भाजपा के नेतृत्व में मजबूत सरकार बनाने के लिए संकल्पित है।

रहा है।

बाबूलाल ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों को शौचालय

देकर गरीब बहनों की इज्जत को बढ़ाया। गरीबों को जनधन खाता से जोड़कर बैंक के दरवाजे पर

पहुंचाया। पक्के मकान, गैस कनेक्शन, नल से जल ये सब गरीब के घरों की पहचान बन गये। कहा कि आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख तक के इलाज की गारंटी मिली। प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज ने किसी को भूखा नहीं सोने दिया।

इनकी रही मौजूदगी : भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, सांसद संजय सेठ, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो समेत अन्य उपस्थित थे।

विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण है भारत: राज्यपाल

कश्मीर से आर्ये युवाओं से गवर्नर ने किया संवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारा देश वैश्विक मंच पर विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। विभिन्न क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों के बीच भाषा और संस्कृति में विविधता के बावजूद हम सभी एक हैं और एक रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से एक-दूसरे को जानने और समझने का मौका मिलता है। आपसी एकता की भावना को साक्ष्य करता है। राज्यपाल रविवार को राजभवन में नेहरू युवा केंद्र की ओर से कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम वतन को जाने के तहत जम्मू और कश्मीर से आर्ये युवाओं से संवाद स्थापित कर रहे थे। उन्होंने कहा



कि हमें अपनी भाषा-संस्कृति को जानना समझना चाहिए। दूसरों की भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता का स्मरण करते हुए कहा कि भारत जमीन का टुकड़ा

नहीं है, जीता जागता राष्ट्रपुरुष है। हम जियेंगे, तो इसके लिए, मरेंगे तो इसी के लिए।

राज्यपाल ने कहा कि जम्मू और कश्मीर अपनी समृद्ध संस्कृति और खूबसूरत परिदृश्यों के लिए जाना जाता है। हिमालय

की गोद में स्थित पृथ्वी का स्वर्ग के रूप में जाना जाने वाला यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर देता है। यह फिल्म शूटिंग के लिए दुनिया में सबसे अच्छे स्थलों में से एक माना जाता है। प्राकृतिक सौंदर्यता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण जम्मू और कश्मीर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

लोगा कि जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए समान अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 को हटाने का अहम निर्णय लिया गया है। जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए समान अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित होने से प्रगति का लाभ उन तक सुनिश्चित होगा। कमजोर और हाशिये पर रहने वाले लोग सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होंगे।

ओबीसी मोर्चा ने विनोद पांडेय को सौंपा मांग पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में जातीय सर्वेक्षण कराने, ओबीसी का आरक्षण बढ़ाने, 11वीं जेपीएससी की नियमावली को सुधारने और ओबीसी के हितों की रक्षा करने को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शिवू सोरेन के नाम केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र प्राप्त करने के



बाद विनोद पांडेय ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ओबीसी समुदाय के हक अधिकार के लिए

चिंतित है, लेकिन राज्यपाल ओबीसी के आरक्षण बढ़ाने के कैबिनेट और विधानसभा से की

गयी अनुशंसा पर संज्ञान नहीं ले रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार

न्यूटन ट्यूटोरियल्स का आइआइटी-मेडिकल की तैयारी पर सेमिनार 'एनसीइआरटी पुस्तक पर फोकस से मिलेगा फायदा'

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। संत एन्स और रामप्रसाद चंद्रभवन सरस्वती विद्या मंदिर में रविवार को न्यूटन ट्यूटोरियल्स प्रा. लि. द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था-आगामी आइआइटी और मेडिकल की परीक्षाओं में कैसे ज्यादा से ज्यादा अंक के साथ रैंक प्राप्त किया जाये।

एनके मुरलीधर ने बताया कि पैरेंट्स को अपने व्यवहार में बदलाव कर बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए। माँके पर बोलते हुए मदन मोहन ने बताया कि बच्चों को किन बिंदुओं पर ध्यान देना



चाहिए। रसायन विज्ञान के शिक्षक पंकज कुमार ने बताया कि लगातार प्रयास की जरूरत है। भौतिकी के शिक्षक प्रणव कुमार ने भौतिकी की तैयारी से संबंधित जानकारी दी। अमर मेडिकल के लिए बच्चे एनसीइआरटी की पुस्तक पर

ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें, तो अधिक फायदा होगा। निदेशक इमरान अली ने बोर्ड और प्रतियोगिता परीक्षा के अंतर को स्पष्ट किया। इमरान अली के अनुसार जेड-मेडिकल की तैयारी के लिए 11वीं सबसे उपयुक्त समय

है। हालांकि अगर योजना कक्षा नौवीं से बनाते हैं, तो बहुत ही अच्छा है, लेकिन 10वीं के बाद तो जरूर से तैयारी शुरू कर दें। क्विज प्रतियोगिता में संत एन्स स्कूल की पूर्णिमा राणा, अनुरा खडेलवाल, रूद्र प्रकाश केसरी,

आजसू पार्टी के सच्चे सेवक थे कमल किशोर भगत: सुदेश

प्रतिमा स्थापित कर दी गयी, अब उनके विचारों को स्थापित करना है

पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की प्रतिमा का हुआ अनावरण

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि आजसू नेता कमलकिशोर भगत ने जिस साहस और संघर्ष से झारखंड आंदोलन को लड़ाई लड़ी और एक विधायक के तौर पर जनता की सेवा की, उन्हें हर झारखंडी हमेशा याद रखेगा। उनके विचारों और लक्ष्य को आगे बढ़ाना हमारा दायित्व है। उनकी कमी पार्टी को हमेशा खलती रही है। वह पूर्व विधायक कमल किशोर भगत की पुण्यतिथि पर लोहरदगा जिला कार्यालय में उनकी प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान पूर्व असिस्टेंट कमिश्नर सतीश कुमार समेत जेएमएम, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आजसू प्रमुख ने कहा कि



झारखंड अलग राज्य बनाने के लिए खून, पसीना बहाने और जेल जाने से लेकर कई संघर्ष करने के बाद कमल किशोर भगत ने विधायक नहीं, लोहरदगा का बैठा बन कर जनता की सेवा की। उनको लोहरदगा के आवश्यकता का बोध था। कमल किशोर भगत आम लोगों के विषयों को विधानसभा में बेतहर ढंग से रखते थे। उनकी प्रतिमा तो स्थापित कर दी गयी है, अब हमें उनके विचारों को स्थापित करना है। अगले साल से यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर होगा। **इनकी रही मौजूदगी :** उपाध्यक्ष हसन अंसारी, रामचंद्र सहिस, डॉ देवशरण भगत, नीरू शांति भगत,

रोशनलाल चौधरी, अर्जुन बैठा, लाल गुड्डू नाथ शाहदेव, सूरज अग्रवाल, ओम भारती, दिलीप साहू, अंजु देवी, अनिता साहू, भरत काशी, डॉ सुधीर यादव उपस्थित रहे। **इन्होंने ली सदस्यता :** अभिमन्यु साहू, आरिफ अंसारी, इम्तियाज अंसारी, राम भगत, साबिर अंसारी, नंदलाल भगत, सोमरा उरांव, विजय भगत, जब्बार अंसारी, शमीम, छोटू, रामजीत, रोजमत, जसीम, रिकरेस्टा टोप्यो, नवल, मौसिम, नसीम, मालती टोप्यो, अर्जुन उरांव, अजय उरांव, सतीश उरांव, राम सहाय समेत अन्य ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा विकसित भारत का रंग

झारखंड की झांकी होगी तैयार

रांची (आजाद सिपाही)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर नयी दिल्ली में होनेवाली झांकी के लिए झारखंड को भी न्यौता मिला है। इसके लिए केंद्र सरकार ने झारखंड को सूचना दी है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग झारखंड के मुताबिक मंत्रालय ने दो थीम पर राज्य की झांकी का निर्माण करने को कहा है। इनमें से एक है विकसित भारत और दूसरा भारत लोकतंत्र की मातृका। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के मुताबिक इस थीम के आलोक में झारखंड के परिप्रेक्ष्य में नयी दिल्ली में राज्य की झांकी के डिजाइन और निर्माण की तैयारी की जा रही है। विभाग ने इस कार्य में लोगों से भी सहयोग मांगा है। इसके लिए 21 दिसंबर तक लोगों को अपने विचार और सुझाव देने को कहा गया है। इसके लिए विभाग के सूचना भवन के पते पर लेटर भेज कर या इ-मेल पर भी जानकारी दी जा सकती है।

राष्ट्र तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा : अर्जुन मुंडा

खरसावा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्राम पंचायतों में विशेष कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

खरसावा। भारत सरकार की ओर से संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खुंटी से किया गया, जो कि पूरे देश में 26 जनवरी तक मनाया जायेगा। इसके अंतर्गत रविवार को खरसावा जिला की बिटापुर पंचायत और चिल्कु पंचायत में विशेष कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने नये वर्ष के कैलेंडर और अन्य जागरूकता सामग्री का वितरण किया।

मंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा उद्देश्यों को प्राप्त करने में काफी मदद करेगी, जिससे देश वर्ष 2047 तक एक



विकसित देश बन सके। उन्होंने स्थानीय निवासियों से इस अभियान को सफल करने के लिए संकल्प लेने का भी आग्रह किया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार राष्ट्र तेजी से प्रगति और समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। वह दिन दूर नहीं, जब सपने हकीकत बन जायेंगे। मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों की महिलाओं द्वारा लगाये

गये स्टालों का दौरा किया। कार्यक्रम के समापन के बाद मंत्री द्वारा खरसावा प्रखंड के प्रधानमंत्री उज्वला योजना के लाभुकों को निःशुल्क गैस सिलेंडर का वितरण किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के अंतर्गत पूरे देश में मुख्यतः आम जनों के लिए स्वास्थ्य जांच, आयुष्मान कार्ड, पीएम उज्वला, आधार कार्ड अपडेट, पीएम स्वनिधि से संबंधित शिविर लगाया जा रहा है।

सीसीएल सीएमडी ने उत्पादन को लेकर कुजू क्षेत्र का किया दौरा बंद पड़ी कोलियरियों को चालू करना प्राथमिकता : बीआर रेड्डी



अमरजीत कुमार

कुजू (आजाद सिपाही)। नये साल में सीसीएल कुजू क्षेत्र में वर्षों से बंद पड़ी सारूबेड़ा, पुंडी और आरा कोलियरियों को निर्धारित उत्पादन लक्ष्य प्राप्त के तहत यथाशीघ्र शुरू करना प्राथमिकता है। उक्त बातें सीसीएल सीएमडी बीआर रेड्डी ने तोपा-करमा कोलियरियों के निरीक्षण के बाद सीसीएल कुजू जीएम कार्यालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि सारूबेड़ा कोलियरी फरवरी में शुरू किये जाने की संभावना है। आरा कोलियरी में विस्थापन संबंधी समस्याओं को दूर करने का दौरा

सारूबेड़ा कोलियरी फरवरी में शुरू होने की उम्मीद

अगले साल तक शुरू करना है। पुंडी कोलियरी में जमीनी समस्या को सुलझाने में कुछ समय लगेगा। अगले दो वर्ष के भीतर पुंडी कोलियरी को पुनः शुरू करना प्राथमिकताओं में शामिल है। साथ ही, हर हाल में निर्धारित उत्पादन लक्ष्य हासिल करने का स्पष्ट दिशा निर्देश दिया। इससे पूर्व, सीसीएल सीएमडी बीआर रेड्डी ने सीसीएल कुजू क्षेत्र की कोलियरियों में उत्पादन कार्य की अद्यतन जानकारी लेने को लेकर कुजू क्षेत्र का दौरा

किया। वहीं, सीसीएल करमा और तोपा परियोजना की खुली खदानों का निरीक्षण किया। साथ ही, संबंधित परियोजना पदाधिकारियों से उत्पादन कार्य की जानकारी ली। मौके पर उन्होंने सीसीएल को कुजू क्षेत्र के जीएम नीरज कुमार सिन्हा से उत्पादन कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ आने वाली कठिनाइयों की जानकारी ली। इस अवसर पर जीएम (ऑपरेशन) बीपी गुप्ता, एसओपी गिरीश चंद्र, वित्त प्रबंधक प्रशांत प्रियदर्शी, विजय प्रकाश, पीसी साहू, मनीष कुमार, पवन कुमार, राजू रविदास, संजय सिंह, एमके सिंह, हेमंत सिंह, निलेश कुमार सिंह के अधिकारी शामिल रहे।



विकसित भारत संकल्प यात्रा

राष्ट्रीय प्रगति और समावेशिता को एक शानदार अभिव्यक्ति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) जम्मू और कश्मीर के विभिन्न जिलों में उत्साह का प्रतीक बन गयी है। विकसित भारत के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, यात्रा रणनीतिक रूप से केंद्र शासित प्रदेश के सीमावर्ती और पहाड़ी ब्लॉकों की पंचायतों तक पहुंच रही है। इस परिवर्तनकारी पहल के केंद्र में एक विशेष रूप से सुसज्जित वैन है, जो दिन भर चलने वाले कार्यक्रमों के दौरान आकर्षक गतिविधियों के केंद्र के रूप में काम करती है। कृषि विभाग द्वारा कृषि नवाचार के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी का अग्रणी प्रदर्शन एक असाधारण विशेषता है। यह प्रयास न केवल शिक्षित करता है बल्कि कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने में ड्रोन प्रौद्योगिकी को क्षमता को प्रदर्शित करते हुए उपस्थित लोगों को आकर्षित भी करता है। शैक्षणिक संस्थान विकसित भारत/2047 पहल के माध्यम से सक्रिय रूप से योगदान करते हैं, संवाद सत्र और ऑनलाइन वेबकास्ट की मेजबानी करते हैं। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण जाति, धर्म, पंथ या लिंग के आधार पर भेदभाव से रहित विकास पर जोर देता है। वीबीएसवाई सामूहिक कार्रवाई और अटूट समर्पण का एक प्रमाण है। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती है, यह डोडा किश्तवाड़ के पहाड़ी इलाकों से लेकर जम्मू के मैदानी इलाकों तक भौगोलिक चुनौतियों को पार करते हुए एक विकसित भारत को एकजुट भारत का स्पष्ट रूप से चित्रण करती है।

आइआईटी जम्मू के निदेशक प्रोफेसर मनोज सिंह गौर ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु पीएम मोदी और एलजी मनोज सिन्हा द्वारा प्रस्तावित कार्य बिंदुओं की सराहना की।

जबकि प्रतिक्रिया विविध परिदृश्यों में यात्रा के प्रभाव को प्रमाणित करती है। जिला अस्पताल कुलगाम के फार्मासिस्ट जुबैर बशीर ने बताया कि कैसे यात्रा के दौरान शुरू किये गये जेनेरिक दवा स्टोर ने मरीजों के लिए दवा के बिल को काफी कम कर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल पहुंच बढ़ाने हेतु सरकार की सराहना की। किश्तवाड़ की एक प्रसिद्ध गांविका समृद्धि सिंह ने नागरिकों से 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में सकारात्मक योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों में नामांकन करने हेतु प्रोत्साहित किया। आइआईटी जम्मू के निदेशक प्रोफेसर मनोज सिंह गौर ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु पीएम मोदी और एलजी मनोज सिन्हा द्वारा प्रस्तावित कार्य बिंदुओं की सराहना की। जम्मू-कश्मीर में किसानों के लिए एक नयी सुबह पीएम किसान के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के किसानों के लिए 2517 करोड़, कृषि उन्नति को बढ़ावा देने वाली गोबरधान परियोजनाओं और पीएम फसल बीमा योजना के तहत 96 करोड़ से अधिक दावों का निपटान जैसी पहलों से चिह्नित है। 2023 में 2 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने लुभावने यूटी का भ्रमण किया, जिसमें 15 पर्यटक/ट्रेकिंग मार्ग सुलभ थे।

अभिमत

आजाद सिपाही

संविधान के मुताबिक संघ जम्मू-कश्मीर में केवल तीन मामलों में कानून बना सकता है- विदेशी मामले, संचार और रक्षा। इस पर याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि इसका मतलब यह है कि जम्मू-कश्मीर ने अपनी आंतरिक संप्रभुता नहीं छोड़ी है, बल्कि केवल कुछ शक्तियां छोड़ी हैं। न्यायालय ने माना कि राज्य के संविधान में संप्रभुता का कोई उल्लेख नहीं था। संप्रभुता शब्द भारतीय संविधान में आया था। जम्मू-कश्मीर के राजा की घोषणा और विलय पत्र को देखते हुए अदालत ने माना कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया है।

धारा 370 हटाने पर लगी सुप्रीम मुहर के मायने



सुखदेव वशिष्ठ

नये भारत के निर्माण में कदम बढ़ाते हुए मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने का साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय किया। इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गयी, जिस पर 11 दिसम्बर को निर्णय आ गया जिससे पिछले चार सालों से अदालत में लंबित सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक पर विराम लग गया है। अपने निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के मोदी सरकार के निर्णय को बरकरार रखा।

निर्णय में क्या कहा गया : क्या अनुच्छेद 370 अस्थायी या स्थायी प्रकृति का था? इसके उत्तर में न्यायलय ने संविधान सभा की अनुपस्थिति में राष्ट्रपति के पास अनुच्छेद में संशोधन करने की एकरतफा शक्ति थी कह कर सब साफ कर दिया। संविधान के तहत अनुच्छेद 370 में संशोधन के लिए राष्ट्रपति और जम्मू-कश्मीर संविधान सभा की सहमति जरूरी थी। हालांकि, यह संविधान सभा 1956 में ही भंग कर दी गयी थी।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि इस अनुच्छेद में संशोधन नहीं किया जा सकता है, क्योंकि संविधान सभा का अस्तित्व ही नहीं है। दूसरा प्रश्न था कि क्या जम्मू-कश्मीर की आंतरिक संप्रभुता थी? संविधान के मुताबिक संघ जम्मू-कश्मीर में केवल तीन मामलों में कानून बना सकता है- विदेशी मामले, संचार और रक्षा। इस पर याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि इसका मतलब यह है कि जम्मू-कश्मीर ने अपनी आंतरिक संप्रभुता



जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को रद्द करने के बाद भी समस्या पूरी तरह हल नहीं हुई है। अब भी वहां की आबादी का एक हिस्सा आजादी की बात करता है। इस हिस्से को भारत की आत्मा के साथ एकीकरण करने के लिए प्रयासों को आवश्यकता है। धारा 370 समाप्त होने पर लगी सुप्रीम मुहर निश्चित ही जम्मू, कश्मीर और लद्दाख को विकास के पथ पर सरपट दौड़ने की गारंटी है।

नहीं छोड़ी है, बल्कि केवल कुछ शक्तियां छोड़ी हैं। न्यायलय ने माना कि राज्य के संविधान में संप्रभुता का कोई उल्लेख नहीं था। संप्रभुता शब्द भारतीय संविधान में आया था। जम्मू-कश्मीर के राजा की घोषणा और विलय पत्र को देखते हुए अदालत ने माना कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया है। हालांकि, एक न्यायाधीश, जस्टिस संजय किशन कोल ने कहा कि जम्मू और कश्मीर ने कुछ आंतरिक संप्रभुता बरकरार रखी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केंद्र के पास इसकी मान्यता रद्द करने और संविधान को पूरी तरह से लागू करने की शक्ति थी, जिसका इस्तेमाल उसने अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए किया था।

इस के साथ निर्णय में इस विषय को भी स्पष्ट किया गया कि राष्ट्रपति शासन के तहत किन मामलों को चुनौती दी जा सकती है? उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाते समय जम्मू-कश्मीर

राष्ट्रपति शासन के अधीन था, इसलिए यह भी देखा गया कि राष्ट्रपति शासन के दौरान किन कार्यों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। न्यायलय ने कहा कि राष्ट्रपति शासन की सभी कार्यों को चुनौती नहीं दी जा सकती है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति शासन के दौरान शक्तियों के प्रयोग के साथ एक उचित संबंध होना चाहिए। राष्ट्रपति शासन के दौरान के किसी काम को चुनौती देने वाले व्यक्ति को पहले यह साबित करना होगा कि वह काम दुर्भावनापूर्ण था या गलत इरादे से किया गया था। इसके बाद, यह साबित करने की जिम्मेदारी संघ पर आती है कि वह साबित करे कि काम दुर्भावनापूर्ण नहीं था। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि राष्ट्रपति शासन के दौरान, संसद केवल राज्य के कानून बनाने की शक्तियां अपने हाथ में ले सकती है। कोर्ट ने कहा कि संसद की शक्ति पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। निरस्त किये जाते समय जम्मू-कश्मीर

न्यायलय ने यह भी स्पष्ट किया कि क्या राष्ट्रपति की ओर से दिये गये आदेश वैध थे? राष्ट्रपति के दो आदेश, सीओ-272 और 273 का इस्तेमाल अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए किया गया। सीओ-272 से एक अन्य संवैधानिक प्रावधान, अनुच्छेद 367 में संशोधन किया गया। इसमें कहा गया कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के संदर्भ का अर्थ विधानसभा था। न्यायालय ने माना कि संविधान में संशोधन करने वाला यह आदेश अमान्य था, क्योंकि यह राष्ट्रपति के आदेश के जरिए एक संवैधानिक संशोधन किया गया। हालांकि, इससे परिणाम नहीं बदला क्योंकि न्यायलय ने माना कि राष्ट्रपति के पास अनुच्छेद 370 में संशोधन करने की एकरतफा शक्ति थी। राष्ट्रपति भारत का पूरा संविधान जम्मू-कश्मीर में लागू कर सकते थे। इसके परिणामस्वरूप, जम्मू-कश्मीर का संविधान अब निष्क्रिय हो गया है। न्यायलय ने कहा कि राष्ट्रपति

के आदेश एकीकरण की प्रक्रिया की परिणति और शक्ति का वैध प्रयोग थे।

इस पर न्यायलय ने विचार नहीं किया कि क्या किसी राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा जा सकता है?

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि केंद्र किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में नहीं बदल सकता, क्योंकि इससे संघवाद प्रभावित होगा। सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया था कि वह जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करेगी, जबकि लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जायेगा। इस संबंध में न्यायलय ने केवल इतना निर्देश दिया है कि सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव करा लिए जायें और जल्द ही उसका राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।

क्या अदालत का कोई और आंकड़न था? एक न्यायाधीश, जस्टिस संजय कोल ने कहा कि सरकार को एक सत्य और सुलभ आयोग का गठन करना चाहिए, जैसा कि संघभेद खत्म होने के बाद दक्षिण अफ्रीका में गठित किया गया था। इस समिति को 1980 के दशक से सरकार और गैर सरकारी दोनों तत्वों द्वारा की गयी हिंसा की जांच करनी चाहिए। उसे समझौते के उपायों की सिफारिश करनी चाहिए। यह कोई आपराधिक मामलों की अदालत नहीं होगी, बल्कि यह समझने और लोगों को सांत्वना देने का एक माध्यम होगी। 1980 से आतंकवाद झेल रहे लोगों के मानवाधिकार हनन को सच्चाई जानने के लिए एक आतंकीय प्रयास हो सकता है।

जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को रद्द करने के बाद भी समस्या पूरी तरह हल नहीं हुई है। अब भी वहां की आबादी का एक हिस्सा आजादी की बात करता है। इस हिस्से को भारत की आत्मा के साथ एकीकरण करने के लिए प्रयासों की आवश्यकता है। धारा 370 समाप्त होने पर लगी सुप्रीम मुहर निश्चित ही जम्मू, कश्मीर और लद्दाख को विकास के पथ पर सरपट दौड़ने की गारंटी है।

अस्तित्व ने लगाया मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर



आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। अस्तित्व संस्था च पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से आदित्यपुर आदिवासी कल्याण समिति क्लब में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को शिविर में आदित्यपुर की प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर रेणु शर्मा ने मरीजों की जांच कर जरूरत के अनुसार दवा का वितरण किया। मौके पर लगभग

120 मरीजों को चिकित्सीय सलाह दिया गया। इस अवसर पर 36 मोतियाबिंद के मरीजों का चयन किया गया। जिनका 23 नवंबर को पूर्णिमा नेत्रालय में ऑपरेशन के बाद घर पहुंचा दिया जायेगा। मौके पर अस्तित्व संस्था की सक्रिय सदस्य ज्ञानवी देवी, बैजवंती बारी, अनिता देवी, किरण देवी, लाल बाबू सरदार, खिरोद सरदार, देव प्रकाश देवता, अरुण आचार्य ने शामिल होकर महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

विधायक ने जाहेरस्थान घेराबंदी निर्माण कार्य का किया शिलान्यास संस्कृति और सभ्यता संरक्षण के प्रति गंभीर है हेमंत सरकार : मंगल कालिंदी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा के हितकू पंचायत अंतर्गत खुकुड़ाडिह ग्राम में ग्रामीणों की मांग पर जाहेरस्थान घेराबंदी निर्माण के लिए शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर जुगसलाई विधायक सह सतगुरुदल के सचेतक मंगल कालिंदी शामिल हुए। ग्रामीणों ने जाहेरस्थान के घेराबंदी निर्माण की खुशी में मौके पर ही विधायक का भव्य स्वागत किया। रविवार को विधायक ने झारखण्ड सरकार के ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल विभाग के द्वारा स्वीकृत 1 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से



जाहेरस्थान घेराबंदी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने ठेकेदार को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर विधायक ने कहा जाहेरस्थान गांव का एक धार्मिक स्थल है। प्रकृति से जुड़े धार्मिक

स्थल में ग्रामीण अपने परिवार के लिए सुख, शांति व समृद्धि के लिए पूजा-पाठ करते हैं। हेमंत सरकार सभी समाज के लोगों के समस्या का समाधान के लिए कार्य कर रही है। सरकार राज्य में संस्कृति व सभ्यता की संरक्षण के प्रति

काफ़ी गंभीर है। इस अवसर पर झामुमो नेता पलटन मुर्मू, रोड़ियां सोरेन, ग्राम प्रधान दामोदर सिंह, माझी बाबा सिंगी सोरेन, रामदास मुर्मू, सोनाराम टुडु, राजाराम मुर्मू, गालुराम मुर्मू, रुईमुनी मुर्मू, सोनमनी मुर्मू आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री को 6 साल बाद जमानत मिलने पर लौहनगरी में लड्डू का किया वितरण



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड के आरोप में पूर्व मंत्री राजा पीटर को 6 साल बाद उच्च न्यायालय से जमानत मिलने पर तमारा विधानसभा क्षेत्र सहित आदिवासी समाज में खुशी का लहर है। वही जमानत मिलने की खुशी का असर लौहनगरी जमशेदपुर में भी देखने को मिली। रविवार को सुबह एग्रिको गोलचक्र में पूर्व मंत्री राजा पीटर के सहयोगी टीम के वरिष्ठ सदस्यों ने सिग्नल के पास सैकड़ों लोगों के बीच लड्डू बाटकर खुशियां मनाए। मौके पर जुगल किशोर मुखी ने कहा पूर्व मंत्री राजा पीटर से हमारे टीम का शुरू से व्यक्तिगत संबंध रहा है। हम सभी उन्हें बड़े भाई के रूप में मानते हैं। उन्होंने हर सुख दुख में हम सभी के साथ रहा है। उच्च न्यायालय से 6 साल बाद जमानत मिलने पर सभी खुशी मना रहे। फिर से बड़े भाई हम सभी के बीच आ गये हैं और आने वाले समय जिस तरह से उन्होंने तमारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर विधायक से मंत्री का सफर तय किये थे। उसी उम्मीद के साथ आने वाले समय में फिर से तमारा विधानसभा की जनता का सेवा करने का काम करेंगे। हम सभी उनके साथ हैं। मौके पर जुगल किशोर मुखी, पी के सधपति, संतोष नाग, बलबीर सिंह, बिल्लें बीर, राजेश शांडिल, शंकर मुंडा, लालू चंद्रा, डब्लू पाजनी, संजय नायक, संतोष नाग, बिसुनाथ तंतुबाई, लोटन तिवारी, कृष्णा बारी, शक्ति चौधरी, रोहन, सत्येंद्र पांडेय, गोडी, काके पाजनी, काजू शांडिल, बबू सिंह, रफीक खान, दिनेश कुमार, कृष्ण मोहन सिंह आदि शामिल रहे।

साढ़े सात करोड़ की लागत से सड़क निर्माण कार्य का सांसद - विधायक ने किया शुभारंभ



चाडिल (आजाद सिपाही)। एनएच 32 में चाडिल गोलचक्र से जामझीह तक सड़क मरम्मती कार्य का सांसद संजय सेठ व ईचाण्ड विधायक सविता महतो ने नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। रविवार को लगभग साढ़े सात करोड़ की लागत से सड़क निर्माण की कार्य का शुभारंभ होने से सड़क से गुजरने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी। सांसद ने कहा संवेदक को डेढ़ महीने में उच्च स्तरीय गुणवत्ता वाले सड़क निर्माण करने का निर्देश दिया गया। वही विधायक सविता महतो ने कहा सड़क का मरम्मती हो जाने से चाडिल के लोगों को धूल से काफी हद तक राहत मिलेगी। मौके पर डीआरयूसीसी मैबर दिवाकर सिंह, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबल महतो, पपू वर्मा, विशाल चौधरी, सारथी महतो, बालू सिंह सरदार, राहुल वर्मा, मधु गोराई, कृष्णा किशोर महतो सहित अन्य उपस्थित रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 371 पुलिसकर्मी और उनके परिवार हुए लाभान्वित

संस्था का प्रयास सराहनीय है : सिटी एसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था नाम्या स्माइल फाउंडेशन व कोलकाता के फोर्टिस अस्पताल की संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। रविवार को गोलमुरी पुलिस लाइन में आयोजित जांच शिविर का सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत, संस्था के संस्थापक सह भाजपा के झारखंड प्रदेश प्रवक्ता कुणाल पांडेगी ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। जांच शिविर में सुबह 9 बजे से पुलिसकर्मी व उनके परिवार के लोगों की व्यापक भागीदारी रही। मौके पर 371 से अधिक मरीजों की स्वास्थ्य जांच

व परामर्श दिया गया। शिविर में सुविधा के लिए अलग-अलग काउंटर पर अलग-अलग बीमारियों के जांच की व्यवस्था की गई। सभी का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार जरूरी दवाएं भी प्रदान की गईं। चिकित्सकों ने मौसम बदलने के साथ स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने के संबंधित निर्देश दिए। जांच में तीन लोगों की गंभीर बिमारी की बात सामने आई। जिसके इलाज नाम्या स्माइल फाउंडेशन के द्वारा करने का बीड़ा उठाया गया। जिन मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद है उनका ऑपरेशन भी निःशुल्क कराया जाएगा। सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने कहा बदलते मौसम में



उपचार से अधिक बचाव महत्वपूर्ण है। लोग बीमारियों के गंभीर होने का इंतजार करते हैं। अगर स्वास्थ्य के प्रति थोड़े सजग व सावधान रहें या समय से स्वास्थ्य की जांच की जाए तो कई गंभीर बीमारियों के साथ महंगे इलाज व परेशानियों से बचा जा

सकता है। उन्होंने सभी लोगों से खानपान पर भी ध्यान देने की बात कही। मुकेश लुणायत ने नाम्या स्माइल फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा संस्था द्वारा कई सामाजिक कार्यों के जरिये गंभीर बीमारियों की सेवा निरंतर की जाती है। जो अन्य लोगों को

भी प्रेरित करती है। संस्थापक सह पूर्व विधायक कुणाल पांडेगी ने कहा पुलिस की ड्यूटी हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है। आराम कम मिलने व भागदौड़ भरी ड्यूटी के कारण स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों से जूझना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मीयों व उनके परिवारजनों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा संस्था द्वारा भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर की जाएगी।

शिविर में डॉ अभिषेक चाइल्ड केयर हॉस्पिटल से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रुचिता सिन्हा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ टी कुमार, फिजियोथेरेपी प्लैनेट से डॉ अर्पिता कुंडू, अरूप डे सरकार, नमिता

सिंह, दंत चिकित्सक डॉ देवसिमता साहू, डॉ सानिया खान, सामान्य चिकित्सक डॉ वी आर के सिन्हा, अस्थमा के लिए मनीष शर्मा, बीपी शुगर के लिए जमाली और राज कपूर प्रसाद आंख के एएसजी आई हॉस्पिटल से डॉ फहीम काजमी, नजमुल हसन, एमडी इमरान, रमीजा शाहब के टीम रोगियों की जांच के लिए मौजूद रहे। मौके पर मेजर सह पुलिस एसोसिएशन शाखा जमशेदपुर के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राम, मेजर रंजीत कुमार, साजेंट बिबेक कुमार, संपति शाखा से कृष्णा राम, प्रेमचंद कुमार, नाम्या स्माइल फाउंडेशन से निधि केडिया, निर्मल कुमार, आकाश श्रीवास्तव, सोनू, अभिजीत आदि मौजूद रहे।

यदुवंशी समाज में है परिवर्तन करने की पूरी क्षमता : मिथिलेश

राज्य में अपने दम पर हर तरह की योजनाएं संचालित करेगी हेमंत सरकार

इंडई में गोवर्धन पूजा का आयोजन, मंत्री ने किया वीर लोटिक मूर्ति स्थापना का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता



ठाकुर ने यदुवंशी सम्राट वीर लोरिक की मूर्ति स्थापना के लिए पूजा अर्चना कर और कुदाल चलाकर भूमि पूजन किया। मौके पर यादव समाज के लोगों ने मंत्री का भव्य स्वागत किया। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि यादव समाज का यह सम्मान मुझे हमेशा याद रहेगा। जब भी यादव समाज सहित अन्य सभी समाज को

हमारी आवश्यकता पड़ेगी, मैं हमेशा समाज के कार्यों के लिए खड़ा रहूंगा। मंत्री ने अपने निजी खर्च से वीर लोरिक स्मारक प्रतिमा लगाने की घोषणा की। समाज के लिए एकता बहुत बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2025 तक एक भी कच्चा मकान देखने को नहीं मिलेगा। झारखंड सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने

कहा कि भानु प्रताप शाही जनता का काम करें। जनता उन्हें अच्छी तरह से पहचान चुकी है। झारखंड सरकार द्वारा किए गये कार्यों को अपना कार्य बताना छोड़ दें। आप अपना कार्य करें जनता सब समझ रही है। मंत्री श्री ठाकुर ने यादव समाज से कहा कि आप अपनी शक्ति को पहचानें। आपके समाज में परिवर्तन करने की पूरी क्षमता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, जिला परिषद उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव, पूर्व विधायक प्रत्याशी केशी यादव, रंजन यादव, प्रमुख दीपमाला कुमारी, वीरेंद्र यादव, कृष्णा यादव, अरविंद यादव, दिलीप गुप्ता, ओमप्रकाश यादव, विनोद यादव सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधि और यादव समाज के लोग उपस्थित थे।

तैबा हॉस्पिटल में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन हमारा एक यूनिट रक्त किसी के जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण है : मंत्री मिथिलेश

शिविर में 28 यूनिट रक्तदान किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता



गढ़वा। शहर के मद्रसा रोड स्थित तैबा हॉस्पिटल में रविवार को मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेगा रक्तदान शिविर में 28 यूनिट रक्तदान किया गया। हॉस्पिटल परिसर में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश के पेयजल और स्वच्छता मंत्री सह स्थानीय विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि सबसे महानदान रक्तदान है। शरीर के कोई भी अंग को खरीदा जा सकता है। लेकिन आज तक खून बनाने की मशीन नहीं बनी है। पूरी दुनिया में इसे

मानव द्वारा ही पूरा किया जाता है। इसलिए रक्तदान के प्रति हमें मानवीय संवेदना को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए। हमारा एक यूनिट रक्त किसी के जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसमें समाज के लोग सभी लोगों की भागीदारी आवश्यक है। रक्तदान करने से शरीर को नुकसान होने के बजाए लाभ होता है। रक्तदान कर ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक सहित अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है।

यासीन अंसारी ने कहा कि रक्तदान के प्रति हम सभी को जागरूक रहने की जरूरत है। जरूरत पड़ने पर रक्तदान कर किसी की जान बचाना आदर्श समाज का जीवंत उदाहरण है। तैबा हॉस्पिटल के निदेशक डॉक्टर अरशद अंसारी ने कहा कि लोग रक्तदान के महत्व को समझ रहे हैं। इसके प्रति लोगों का जागरूक होना बहुत हर्ष की बात है।

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय ने कहा कि थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को हर 15 दिन पर रक्त की आवश्यकता होती है। रक्त नहीं मिलने से ऐसे बच्चों की मौत होने की संभावना रहती है। ऐसे में समय-समय पर इस तरह के रक्तदान शिविर का आयोजन होते रहना चाहिए। वरिष्ठ समाजसेवी डॉ

कार्यक्रम में एसडीपीओ अखंड कुमार यादव, नसीम अखंड, मदनी खान, ओबैदुल्लाह हक अंसारी, डॉक्टर पतंजलि केशरी, डॉ. कुमार निशांत सिंह, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अरशद अंसारी, डॉ. माहेश यमानी, नसक अंसारी, डॉ. महजबी, डॉ. मुनाजिर अहसन, डॉ. अशफाक अंसारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

धान के खलिहान में आग लगने से आर्थिक नुकसान

आजाद सिपाही संवाददाता



हरिहरपुर। हरिहरपुर गांव निवासी उपेन्द्र सिंह पिता स्व. सिद्धेश्वर सिंह के धान के खलिहान में रविवार की दोपहर आग लगने से पचास हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। जानकारी देते हुए किसान उपेन्द्र सिंह ने बताया कि तीन एकड़ खेतों से धान की फसल को काट कर कन्या प्राथमिक विद्यालय के पास खलिहान में रखा हुआ था। जहां आग कैसे लगा इसकी जानकारी

तत्काल नहीं पता चल पाया है। लेकिन आग लगने से धान का बोझा सहित पुआल में ऐसा आग पकड़ा आग पर काबू पाने तक धान व पुआल सभी जलकर राख हो गया। इस धान की फसल को तैवार करने में काफी परिश्रम के साथ ही साथ कर्ज पर रुपए उधार लेकर खेती किया गया था। जिससे की घटना से नुकसान की जांच किया गया।

बिक्री कर उधार पर लिए गये रुपये को वापस करना था। तथा परिवार का भरणपोषण भी करना था। लेकिन आग लगने से काफी आर्थिक क्षति हुआ है। प्राकृतिक आपदा प्रबंधन से राहत मिलने के बावजूद ही कर्ज से मुक्ति मिल सकता है। इस घटना की जानकारी पंचायत के मुखिया अनुज कुमार सिंह को भी दिया गया। मुखिया के द्वारा स्थल पहुंच कर आग लगी की घटना से नुकसान की जांच किया गया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का चहुंमुखी विकास हो रहा है: सांसद

सांसद ने 33.28 करोड़ से बनने वाली पांच सड़कों का किया भूमि-पूजन

आजाद सिपाही संवाददाता



मेराल। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने रविवार को जिले के मेराल प्रखंड क्षेत्र में 33.28 करोड़ रुपये की लागत से 36.5 किलोमीटर बनने वाली 5 सड़कों का भूमि-पूजन नारियल तोड़ कर और शिलान्यास का अनावरण कर किया गया। मेराल के लखेया मोड़ पर भूमि पूजन के पश्चात सभा को संबोधित करते हुए सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि क्षेत्र में सड़कों का जाल बोल रहा है। उन्होंने कहा कि 2018 के बाद पीएमजीएसवाई से क्षेत्र में 1656 किलोमीटर सड़क और 89 पुल का निर्माण कराया गया है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का चहुंमुखी

विकास हो रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य अलखनाथ पांडे ने कहा कि सांसद के प्रयास से क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के साथ-साथ नेशनल हाईवे सड़क निर्माण तथा स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं करायी जा रही हैं। भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम खान ने कहा कि जिन सड़कों का आज भूमि पूजन किया गया, उन सड़कों के साथ-साथ मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के प्रयास से गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बोल रहा है। पीएमजीएसवाई की सड़कों में 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार तथा 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार का होता है। कार्यक्रम को भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र कुमार द्विवेदी, संजय भगत ने भी संबोधित किया। संचालन जिला सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार चौबे के द्वारा किया गया। इनकी रही उपस्थिति : संकल्प यात्रा कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, बीडीओ जागो महतो शाहिद बड़ी संख्या में लोग थे, जबकि भूमि पूजन कार्यक्रम में मुखिया वीरेंद्र नाथ तिवारी, मिथिलेश तिवारी, रामसरिचंद्र चंद्रा, गौरीशंकर बिंद, धनंजय तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोग थे।

सभी जाति-धर्म के लोगों को समान भाव से योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है : सांसद

सांसद ने 201 महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के बीच 50 लाख 25 हजार का चेक प्रदान किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। मेराल प्रखंड के चामा पंचायत भवन के परिसर में सांसद विष्णु दयाल राम उपस्थित होकर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर सांसद विष्णु दयाल राम, वरिष्ठ भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, मुखिया प्रतिमा देवी, समाज सेवा करीब अंसारी और बीडीओ जागो महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबों को मिल रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के द्वारा सबका साथ सबका



विकास सबका विश्वास के साथ सही जाति धर्म के लोगों को समान भाव से कई प्रकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसमें 80 करोड़ लोगों को मुफ्त का राशन सही अन्य योजनाओं का लाभ सिधे आम लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को विकसित भारत 2047 तक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए

सहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर सांसद ने 201 महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के बीच 50 लाख 25 हजार का चेक प्रदान किया। साथ ही 25 असाहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण अपने हाथों किया। कार्यक्रम को वरिष्ठ भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, जिला परिषद प्रतिनिधि

करीब अंसारी और मुखिया प्रतिनिधि शंभू राम ने भी संबोधित किया। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन बीडीओ जागो महतो ने किया। इस अवसर पर विकास आयुक्त राजेश कुमार राय, सीडीपीओ नीतीश कुमार निशांत, महिला पर्यवेक्षिका एकता नाथ, काफी संख्या में पंचायत के लोग उपस्थित थे।

अंतर स्कूल क्रिकेट जूनियर वर्ग मैच का आयोजन

साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल और संत पॉल कॉवेंट स्कूल रेहला ने अगले चक्र में प्रवेश किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 22वां गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले दिन खेले गये मैच में साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल ने रामासाहू हाई स्कूल को छह विकेट से, दूसरे मैच में संत पॉल कॉवेंट स्कूल रेहला ने आईपीएस स्कूल रंका को 61 रनों से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। आईपीएस रंका की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। संत पॉल कॉवेंट स्कूल रेहला की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदर के 75, जुनैद के 50 रनों के



सहयोग से निर्धारित 16 ओवर्स में सात विकेट खोकर 178 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आईपीएस की ओर से आमिर ने तीन और दानिश ने दो विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलने उतरी आईपीएस रंका की टीम आमिर के 34, नीतीश के 18 रनों के सहयोग

से 117 रन ही बना पायी। संत पॉल कॉवेंट रेहला की ओर से जिज्ञान ने चार और जुनैद ने दो विकेट हासिल किया। दूसरे मैच में साउथ प्वाइंट पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर रामासाहू स्कूल को बेटिंग के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए

रामासाहू की टीम ने साउथ प्वाइंट के सोहेब के घातक गेंदबाजी के बदैलत (पांच विकेट) पूरी टीम 80 रन ही बना सकी। रामा साहू की तरफ से कवि राज 21 और नीरज के 18 रन को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी दहाई अंक में प्रवेश नहीं कर सका। जवाबी पारी खेलने उतरी साउथ प्वाइंट की टीम 15 गेंद शेष रहते आयुष के 29 और सारिक के 21 रनों के बदैलत चार विकेट खोकर विजय लक्ष्य को पा लिया। रामा साहू की ओर से कवि राज ने तीन विकेट प्राप्त किया। बेहतर खेल के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संत पॉल के हैदर को, वहीं साउथ प्वाइंट के सोहेब राज को दिया गया।

थाना प्रभारी ने ड्रम में सड़क सुरक्षा संबंधी वाक्य लिखवाया



रंका (आजाद सिपाही)। रंका थाना क्षेत्र में आये दिन वाहन दुर्घटना को देखते हुए रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने बीस की संख्या में लोहा के ड्रम में सड़क सुरक्षा संबंधी (बार्त) वाक्य लिखवायी है, जिसे पढ़ कर वाहन चालक और सभी जनता सावधानी से यात्रा सफल कर सकें। इस ड्रम पर रेडियम भी लगाया गया है ताकि प्रकाश इन्हें पर दूर से ही दिखायी पड़े। इन सभी ड्रम को विन्दिता जगहों पर लगा दिया जायेगा।

कन्या विद्यालय के छात्राओं और शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ के पर्वई फॉल का दर्शन किया



आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित परियोजना कन्या उच्च विद्यालय के सभी छात्राओं और शिक्षकों ने रविवार को शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के पर्वई फॉल का दर्शन किया। भ्रमण के दौरान सभी शिक्षक और छात्राओं ने पर्वई फॉल की प्राकृतिक संरचना को देखकर आनंद विभोर हो उठे। सभी ने एक स्वर में इस नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस फॉल का दर्शन के क्रम में सभी आनंदित छात्राओं ने अपने अपने मोबाइल में कैद किया और गुप में सेल्फी ले कर इस क्षण को यादगार बना दिया। इस मौके पर विद्यालय के

प्रधानाध्यापक सुधीर रजक, शिक्षिका आशा कुमारी, सोनाली कुमारी, शिक्षक सत्येंद्र रजक, सुरेंद्र कुमार, उज्वल चौबे, सुधाकर, स्वयंसेवक अमरेंद्र कुमार, छात्रा जूही कुमारी, खुशबू कुमारी, रानी कुमारी, राजलक्ष्मी, नुशरत, सोफिया, संगीता कुमारी सहित काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित थे।

शॉर्ट फिल्म बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना जलवा बिखेर रहे हैं स्थानीय कलाकार

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर के स्थानीय कलाकार शॉर्ट फिल्म बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूट्यूब के जरिये अपना जलवा बिखेर रहे हैं। अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले यह सभी कलाकार कम समय में एक बड़ी पहचान बनाने में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। ये सभी कलाकार यूट्यूब चैनल यो यो ग्रुप के बैनर तले रविवार को श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय में हिंदी फिल्म की शॉर्ट मूवी का शूटिंग किया। यह शॉर्ट फिल्म अनाथ भाई - बहन पर गुंडों द्वारा अत्याचार पर आधारित है। फिल्म का पहला दिन का शूटिंग जंगीपुर स्थित ब्लॉक मोड़ के पास किया गया। बाकी पदर्स का शूटिंग गढ़वा और श्री बंशीधर नगर के विभिन्न क्षेत्रों में किया जायेगा। फिल्म बनने से स्थानीय कलाकारों



में छिपी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलेगा। यह फिल्म 35 मिनट की होगी। जो 25 दिसंबर क्राइमस डे के दिन यूट्यूब चैनल यो यो ग्रुप पर रिलीज होगी। फिल्म के डायरेक्टर और लेखक शुभम जायसवाल और धीरज गोस्वामी ने बताया कि शॉर्ट मूवी दो अनाथ भाई बहनों की है। जो गरीबी के कारण दर दर भटकने को मजबूर है। कुछ साल पहले उनकी माता पिता की मौत हो जाती है। भाई पर

घर और एक छोटी बहन का भरण पोषण करने का बोझ पड़ जाता है। भाई का सपना था की बहन को बड़ा डॉक्टर बनायें। वह मजदूरी कर अपनी बहन को पढ़ा लिखा कर डॉक्टर बनाना चाहता है। मां बाप के मरने के कुछ दिनों के बाद कुछ गुंडे उसकी बहन के पीछे लग जाते हैं और उसके आते जाते परेशान करते रहते हैं। जब वह अपने स्कूल से घर आती है तो पहले से घात लगाए कुछ बदमाशों

ने उसकी बहन को लेकर भागना चाहते थे। लेकिन मंसूबे पर असफल बदमाशों ने अंत में गोली मार कर भाग जाते हैं। अंत में भाई अपनी बहन की जान बचा कर सारे गुंडों के मंसूबे को चकनाचूर कर देता है। आखिरकार दो अनाथ बच्चों की संघर्ष की जीत होती है। फिल्म शूटिंग के दौरान लोगों ने शूटिंग का वीडियो अपने मोबाइल फोन में भी कैद किया।

श्री सर्वेश्वरी समूह का मेगा स्वास्थ्य शिविर

25 से ज्यादा डॉक्टरों ने लगभग चार हजार मरीजों का किया इलाज, गुपट दवा भी वितरित

कौशल किशोर
विश्रामपुर / पलामू। श्री सर्वेश्वरी समूह द्वारा विश्रामपुर के जनता उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 25 से ज्यादा विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने एलोगैथ और होमियोपैथ पद्धति से लगभग चार हजार मरीजों का जांचोपचार किया। मरीजों को दवा भी निशुल्क दिया गया। शिविर में पैथलोजी सेंटर भी लगाया गया था। जिसमें जांच के बाद चिकित्सकों द्वारा मरीजों को मुफ्त परामर्श भी दिया गया। इससे पहले शिविर का उद्घाटन गुरुपद संभव राम जी ने परमपूज्य अवधुत



भगवान राम जी की पूजा अर्चना कर के किया। इसके बाद गुरुपद संभव राम जी शिविर में लायाये गये सभी स्टाल का भ्रमण किया। इस दौरान गुरुपद संभव राम जी के दर्शन और आशीर्वाद हेतु कई नामचीन हस्ती भी शिविर में पहुंचे। जिसमें विधानसभा में भाजपा के

शाखा और प्रमंडलीय समूह शाखाओं ने मिलकर किया था। समूह के डाल्टनगंज शाखा उपाध्यक्ष रामनी राय ने शिविर की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सर्वेश्वरी समूह मानव मात्र के कल्याण का कार्य करते रहेगी।
शिविर में इन चिकित्सकों ने लिया भाग : शिविर में डॉ एसपी सिंह, डॉ यूपी सिंह, डॉ संजय तिवारी, डॉ आशीष सिंह, डॉ एम एल गुप्ता, डॉ आलोक, डॉ एस एन सिंह, डॉ रंजन नारायण, डॉ सुधीर, डॉ रतन, डॉ कमला मिश्रा, डॉ पदमा मिश्रा, डॉ हरि शंकर सिंह, डॉ सुधीर विवेक, डॉ वैभव, डॉ बीएन राय, डॉ एम के के सिंह, डॉ उपेंद्र कुमार सहित कई प्रसिद्ध चिकित्सकों ने भाग लिया।

इसके अलावा मेडिकल कालेज में शिक्षारत कई विद्यार्थियों ने इसमें सक्रिय योगदान दिया। जिसमें अरुणिमा राजवंश, प्रणाशु सिंह आदि का नाम शामिल है। मौके पर समूह के मेडिनीनगर शाखा के उपाध्यक्ष रागिनी राय, रंजीत राय, मंत्री प्रताप नारायण शाही, व्यवस्थापक योगेंद्र सिंह, प्रचार मंत्री अनुराग सिंह, अजय बक्स राय, राहुल सिंह, सनत चटर्जी, मनीष, विवेक, मंटू सिंह, अरुण कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, अजय बक्स राय, रंजीत सिंह, रणधीर सिंह, राजेंद्र केशरी, नागेन्द्र प्रसाद पांडेय, राजन पांडेय, रामपुकर पांडेय, रामू बाजपेयी, तीर्थराज सिंह, प्रमोद सिंह, जितेंद्र बहेलिया, धर्मेन्द्र चौधरी, विजय कुमार रवि, आगम दास सहित कई लोग मौजूद थे।

व्यापार मंडल अध्यक्ष ने पीएमओ को ट्वीट कर धान का समर्थन मूल्य बढ़ाने की मांग की

धान अधिप्राप्ति केंद्र नहीं खुलने से किसान परेशान: कृष्णा बैठा

आजाद सिपाही संवाददाता
हुसैनाबाद। हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष सह पैक्स अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने प्रेस विज्ञापित जारी कर कहा कि किसानों के लिए महत्वकांक्षी योजना धान अधिप्राप्ति पूरी तरह फेल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अभी तक सरकार द्वारा धान अधिप्राप्ति केंद्र नहीं खुलने के कारण किसान अपना धान और-पौने दामों में बिचौलिए के हाथों बेचने के लिए मजबूर हैं। लगभग 50% किसान अपना धान बेच ही



जानकारी देते व्यापार मंडल अध्यक्ष चुके हैं।

केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2183 और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 117 रुपये प्रति क्विंटल बोनास की राशि

मिलाकर 2300 प्रति क्विंटल होता है जो किसान के लागत के बराबर भी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की उदासीनता के कारण किसान की माली हालत दिन प्रति दिन दयनीय होती जा रही है। उन्होंने कहा सरकार से मांग की है की किसानों के भलाई के लिए धान का समर्थन मूल्य कम से कम 2500 रुपये प्रति क्विंटल और बोनास की राशि 500 रुपए यानी किसान को 3000 रुपये प्रति क्विंटल करना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पीएमओ को ट्वीट कर के भी पीएम मोदी को किसानों की विवशता से रूबरू कराया है।

आकलन सफल अध्यापक संघ ने 19 को विधानसभा के घेराव का लिया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। बीआरसी कार्यालय हुसैनाबाद के प्रशाल में आंकलन सफल सहायक अध्यापक संघ की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता संघ का अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने किया। जिसमें हुसैनाबाद के सभी आंकलन सफल तथा प्रशिक्षित सहायक अध्यापक बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में संघ के द्वारा विधानसभा घेराव में उपस्थित होने का निर्णय लिया गया। आंकलन सफल सह प्रशिक्षित



संघ के नेतृत्व में संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर उन्नीस तारीख को होने वाला विधानसभा घेराव करने की सहमति बनी। बैठक में मुख्य रूप से सुनील पाठक, अनिल कुमार, विद्याचल सिंह, रंजीत सिंह,

अनिल कुमार सिंह, राजकुमार राम, रामप्रवेश राम, वीरेंद्र पाल, मनोज सिंह, संजय पासवान, अविनाश सिन्हा, बैकुंठ शर्मा, रामचंद्र राम, अखिलेश यादव, विनय शर्मा आदि शामिल थे।

स्वयंसेवक संघ आज से 22 तक विधानसभा का घेराव करेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद शहर के ब्लॉक रोड स्थित पंच सरोवर पार्क परिसर में पंचायत स्वयंसेवकों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राहुल सिंह ने किया। प्रखंड अध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि झारखंड सरकार के शीतकालीन सत्र के दौरान अपनी पांच सूत्री मांगों के समर्थन में झारखंड के सभी पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक ध्यानकर्षण हेतु 18 से 22 दिसंबर तक पांच दिवसीय उग्र आंदोलन विधानसभा के समक्ष रखा गया है। उसी के संदर्भ में



चर्चा करते हुए आंदोलन में भाग लेने का निर्णय लिया गया है। बैठक में पंचायत स्वयंसेवक सुधीर कुमार शर्मा, रणविजय सिंह, दिलीप कुमार रवि, सत्येंद्र कुमार ठाकुर, शैलेश पासवान, राहुल प्रजापति, जितेंद्र पासवान, कृष्णा यादव, सुधीर कुमार यादव,

पप्पू, अरविंद, चंदन सिंह, अजीत सिंह, प्रेमशिला कुमारी, प्रियंका, हरमोद सिंह, निरंजन गुप्ता, दीपक सिंह, विजेंद्र सिंह, विक्रम, रंजीत, विकास रंजन, इंद्रमणि, ललन, अरविंद, अक्षय, शाहजहां, पम्मी, सोनम, मिनिता वर्मा आदि उपस्थित थे।

बूथ जीतो-चुनाव जीतो को लेकर भाजयुमो की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर / पलामू। बूथ जीतो-चुनाव जीतो को लेकर विश्रामपुर प्रखंड के सिगसिगी ग्राम पंचायत में भाजपा युवा मोर्चा की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अनुज कुमार चौधरी व संचालन महामंत्री संजय मेहता ने किया। बैठक में मुख्य रूप से स्थानीय विधायक पुत्र सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, बैठक के प्रभारी पंकज तिवारी और भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी भी मौजूद रहे।



बैठक में बूथ जीतो-चुनाव जीतो को लेकर बूथ सशक्तिकरण तथा बूथ मजबूती पर विशेष चर्चा हुई। डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने संगठन की मजबूत पर बल दिया। इसके बाद भाजयुमो अध्यक्ष अनुज कुमार चौधरी ने बैठक में मौजूद

सभी अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया। मौके पर उपेंद्र तिवारी, प्रदीप चौधरी, मनोज बैठा, जोगिंदर पासवान, राहुल गुप्ता, विक्रान्त कुमार सहित कई भाजपा नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुजारी के निधन पर बाजार बंद, किया शोक व्यक्त

गाजेबाजे के साथ दुर्गा मंदिर के पुजारी की निकाली गयी शव यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता
हरिहरगंज/पलामू। शहर के मेन बाजार स्थित श्री दुर्गा मंदिर के 90 वर्षीय मुख्य पुजारी श्याम सुंदर वैद्य जी का निधन विते शनिवार को हो गया। इस उपलक्ष में रविवार को नवयुवक सांस्कृतिक समिति और पूरे शहर के व्यवसायियों ने अपनी अपनी दुकानें बंद कर शोक व्यक्त की। साथ ही धूमधाम से शहर में शव यात्रा निकाला और थाना रोड बटाने नदी घाट पर हिंदू धर्म के रीति रिवाज से उनका अंतिम दाह संस्कार किया गया। शव यात्रा में राजनीतिक दल और सामाजिक कार्यकर्ता के साथ हजारों लोग



शामिल हो कर माता रानी के चरणों में पुजारी की आत्मा को जगह प्रदान करने की कामना की गयी। शव यात्रा के दौरान उनके चाहने वालों ने बताया कि श्याम सुंदर वैद्य जी पिछले करीब 60 वर्षों से दुर्गा मंदिर में मुख्य पुजारी

के रूप में अनुग्रह कर क्षेत्र के सूख शांति के लिए अपना सरवस्त्र जीवन निछावर किया है। शव यात्रा में पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता, आजसु नेता दिलीप चौधरी, भाजपा नेता रविंद्र सिंह, राजीव रंजन, बलु बलराम,

विभिन्न पंचायत और नगर निकायों में लगेगा शिविर

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। 'आपकी योजना- आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत 18 दिसंबर 2023 दिन सोमवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जायेगा। मोहम्मदगंज प्रखंड के कोल्हुआ सोनबरसा के अन्य ग्राम में, हैदरनगर प्रखंड के सरैया में, हुसैनाबाद प्रखंड के पतराखुर्द पंचायत में, पीपरा प्रखंड के दलपत पुर के अन्य ग्राम समेत अन्य ग्रामों होगा। वहीं मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 के लिए वार्ड भवन पोखराहा के पास आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया जायेगा।

मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं : मीना देवी



कंबल वितरण करते प्रतिनिधि

महदंड पंचायत में स्थानीय प्रतिनिधियों ने किया कंबल का वितरण
आजाद सिपाही संवाददाता
हुसैनाबाद। हुसैनाबाद प्रखंड के महदंड पंचायत में पूर्व जिला पार्षद मदन पासवान, मुखिया मिना देवी, पंचायत समिति सदस्य रमेश पासवान, उप मुखिया राम बली यादव और सभी सम्मानित वार्ड सदस्यों के द्वारा गरीब और

मिशन समृद्धि ने किया कंबल का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था ने जरूरतमंदों के बीच देर रात में कंबल का वितरण किया। सबसे पहले वह परिवार का धन्यवाद आभार जिनके बंदीलत इस ठितुरन भरी सर्दी से बचाव के लिए संस्था ने सदर अस्पताल डायलिसिस विभाग, रिक्शाचालकों राहगीरों दोना-पतल दानुन बेचने वालों के बीच कंबलों का वितरण भरपूर कर सका और आगे भी जारी रहेगा। दोना-पतल दानुन बेचने वालों के लिए मिशन समृद्धि संस्था हमेशा कुछ न कुछ जो संभव हो सकता है वह देने की



कोशिश में लगी रहती है। पलामू के पारंपरिक हूनर पतल दोना बनाना जो सेहत के लिए भी फायदेमंद है, उस हूनर को जिन्दा रखते हुए बहुत ही कम पैसों पर अपना गुजारा करने वाले ये लोग बहुत ही संतुष्ट रहते हैं। इनके लिए यह संस्था रोटी के साथ-साथ

नयन होटल में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर लगा

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। शहर के सब्जी मंडी स्थित नयन होटल सह रेस्टोरेंट में रविवार को देशी चिकित्सा विकास परिषद ट्रस्ट के ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पटना के मशहूर चिकित्सक डॉ जेपी अकेला के द्वारा शहरी क्षेत्र के अलावे दर्जनों ग्रामीणों ने निःशुल्क



जांच करायी और दवा लिया। मौके पर आयोजक कर्ता भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि आयुर्वेद इस बात पर बल देता है कि बचाव इलाज से बेहतर है। मूल उद्देश्य यही है कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर ही स्वास्थ्य आधारित होता है। यह बीमारियों से लड़ने के साथ-साथ अच्छी सेहत पर बल देता है।

स्पोर्ट्स भारत ने साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से हराया : पहले वनडे में श्रेयस और सुदर्शन की फिफ्टी; अर्शदीप-आवेश ने मिलकर 9 विकेट झटके

जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न से सम्मानित होंगे धोनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रंची। उम्मीद फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी तीन जनवरी को जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार समारोह का आयोजन होगा। इस समारोह में विभिन्न खेल से जुड़े खिलाड़ियों, कोच, खेल को प्रोत्साहित करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया जायेगा। मोरहाबादी स्थित स्थानीय होटल में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की गयी, जिन्हें सम्मानित किया जायेगा। फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव ने बताया कि इस वर्ष महेंद्र सिंह धोनी सहित



झारखंड के कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानित किया जायेगा। महासचिव निरंजन भारती ने बताया कि इस वर्ष छह कैटेगरी में खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जायेगा। खेल प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष प्रदीप मिर्धा ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा के नाम से

वारला, आशा किरण बारला, श्रीकांत साहू, छोटी कुमारी, सुनील बहादुर, कृष्णा खलखो, दिनेश कुमार, मोहम्मद वसीम, कोमलिका बारी, विकास बारा, शिवानी टोप्पो, अश्विनी कुमारी, अमिशा केरकेट्टा, नारायण महतो, चंचला कुमारी, अमिशा उरांव। रूपा रानी तिकी, गुरु चरण बेसरा, निशांत तिकी, शशांक महतो, आकाश उरांव, गीता कुमारी, विशाल बहादुर, विशाज कुमार, लवली चौबे, अनु सेठ, निशामा कुमारी, आदित्य, अंकिता भगत, दिव्यम मंडल, नोवल टोप्पोने, जोयफ टोप्पोने, रानी मुन्नी, लवली कुमारी, दीपि कुल्लू, अलबेला

रानी, ममता कुमारी, सिमरन कुमारी, सुशांत उरांव, विकास उरांव, ललितता बोपयी, अंजु टुडु। **गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार-2023 :** हरेंद्र कुमार सिंह, चंद्रवेश्वर साहू, दीपक गोप, आनंद गोप, मनोज प्रसाद, एडम होरो, ज्योति साहू, अनवर खान, आशु भाटिया और सजीव कुमार। **गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार-2023** मधुकांत पाठक, जयदीप सरकार, बीएस राव, पूर्णिमा महतो, रिजवान अली, गणेश भारती, चंचल भट्टाचार्य, बीना केरकेट्टा और प्रतिमा बरवा। भगवान विरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार प्रतीक सिंह आदि को दिया जायेगा।

भारत ने साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से हराया

पहले वनडे में श्रेयस और सुदर्शन की फिफ्टी, अर्शदीप-आवेश ने मिलकर 9 विकेट झटके

एजेंसी
जोहान्सबर्ग। भारत ने साउथ अफ्रीका को पहले वनडे में 8 विकेट से हरा दिया है। जोहान्सबर्ग में अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने मिलकर 9 विकेट झटके। वहीं डेब्यूटेंट साई सुदर्शन ने फिफ्टी लगाकर टीम को जीत के पार पहुंचाया। भारत से श्रेयस अय्यर ने भी 52 रन बनाए। न्यू वॉइस स्टैडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉटिंग चुनी। टीम 27.3 ओवर में 116 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गयी। अर्शदीप को 5



और आवेश को 4 विकेट मिले। 117 रन का टारगेट भारत ने 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। पहले वनडे में जीत के साथ भारत ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा वनडे 19 दिसंबर को सेंट जॉर्ज पार्क केबेरा में खेला जायेगा। ये

मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे से शुरू होगा। चौथे ओवर में पहला विकेट गिरने के बाद श्रेयस अय्यर और साई सुदर्शन ने भारत की पारी संभाली। दोनों फिफ्टी पार्टनरशिप कर टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। श्रेयस 52 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 88 रन की साझेदारी टूटी।

किस ने मेगा अभिभावक मीट का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (किस) ने रविवार को यहाँ एक बृहत अभिभावक मीट का आयोजन किया, जिसमें कित और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने एक बार फिर उनके समर्थन और स्नेह के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिसने इसे दुनिया भर में प्रसिद्ध बना दिया। किस एक संस्था से कहीं अधिक है, यह एक स्कूल, एक कॉलेज और एक विश्वविद्यालय है जो देश भर से आने वाले हजारों आदिवासी छात्रों के सपनों को साकार करता है, संस्थापक ने उस कार्यक्रम में कहा जिसमें 15 राज्यों से बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए थे।



उन्होंने अपने साथियों के साथ अपनी सफलता की कहानियाँ साझा कीं और बताया कि कैसे किस ने उनके जीवन को बदल दिया है। मामा नायक जो एक गौरवान्वित प्रतिभागी भी थे, उन्हें को 15 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला है। डॉ सामंत ने कहा कि किस ने केवल पढ़ाई में बल्कि खेल में भी छात्रों का समग्र विकास करता है और उनकी

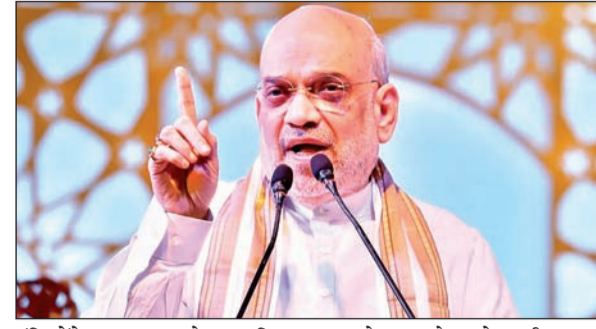
रचनात्मक प्रतिभा को निखारता है। इसी कारण किस को दुनिया भर में मान्यता मिलती है। अभिभावकों की बैठक ने माता-पिता को अपने बच्चों और कर्मचारियों से मिलने और परिसर में नवीनतम विकास के बारे में सूचित होने का एक आदर्श अवसर दिया। किस ने अभिभावकों के लिए बैठक में भाग लेने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। वे नये साल का कैलेंडर घर ले गये, जिसे संस्थापक द्वारा इस अवसर पर जारी किया गया था।

राज्यसभा सांसद निरंजन बिशी ने कहा कि डॉ सामंत उन सभी के लिए प्रेरणा हैं, जिन्हें कम उम्र में ही आदिवासी समुदाय को सशक्त बनाने की आवश्यकता का एहसास हो गया था। उन्होंने संसद में किस को मिली सराहना का भी जिक्र किया और कहा कि डॉ सामंत भारत और ओड़िशा का गौरव हैं।

सीएए नागरिकता लेने का नहीं, बल्कि देश में नागरिकता देने का कानून है और यह जरूर लागू होगा : अमित शाह

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने एजेंडा आज तक के मंच पर चर्चा के दौरान स्पष्ट कर दिया कि सीएए नागरिकता लेने का नहीं, बल्कि देश में नागरिकता देने का कानून है और यह जरूर लागू होगा। भारतीय राजनीति के चाणक्य शाह का मानना है कि सीएए देश का कानून है और ये उन हिंदू भाई-बहनों सहित बाकी 6 धर्मों के मतावलंबियों को उनके साथ हुए धार्मिक प्रताड़नाओं से बचाव दिला देने का एक औजार है जो बंटवारे के बाद पाकिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों में रह रहे थे।



अमित शाह ने एजेंडा आज तक के राष्ट्रीय मंच पर चर्चा के दौरान स्पष्ट कर दिया कि सीएए देश का कानून है। इसका

ईप्लिमेटेशन जरूर होगा। दुनिया जानती है कि सीएए से किसी की नागरिकता नहीं जाने वाली, लेकिन विरोधियों ने माइनोंरिटी में और विशेषकर मुस्लिमों में इसका कुप्रचार किया कि इससे आपकी नागरिकता चली जाएगी। जबकि यह सर्वविदित है कि सीएए से किसी की नागरिकता नहीं जाती है। यह नागरिकता लेने का कानून नहीं है। यह नागरिकता देने का कानून है। शाह ने यह संकेत दिया कि उचित समय पर यह निश्चित

रूप से लागू होगा। देश की जनता ने देखा है कि मोदी-शाह की जोड़ी ने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने जो किया सिर्फ देश की जनता के लिए किया।

भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो ऐसे नेता हुए, जिन्होंने हमेशा खुद को पीछे रखकर देश को आगे बढ़ाने का नेतृत्व किया है। हाल ही में हुए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा की चुनावों

मोदी सरकार यूसीसी लाने पर अडिग है: केंद्रीय गृह मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने एजेंडा आज तक के मंच पर चर्चा के दौरान स्पष्ट कर दिया कि, समान नागरिक संहिता अर्थात यूसीसी लाने को लेकर मोदी सरकार अडिग है। पार्टी इससे दो कदम भी पीछे नहीं हटेगी। आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस की सरकार ने वोट बैंक के लिए वउउ को अलग वैचारिक कपड़ा पहनाकर रखा था। दरअसल यह संविधान सभा

का देश की संसद और विधानमंडलों को एक मंडेट था। जिन चीजों को आजादी के तुरंत बाद लागू नहीं किया जा सका, उसे डायरेक्टिव प्रिंसिपल्स ऑफ स्टेट पॉलिसी में प्रिंटाया गया और और यूनिफॉर्म सिविल कोड उसमें से एक है। यह और बात है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस ने इसको छोड़ दिया, जबकि संविधान सभा में कांग्रेस के ही ज्यादातर नेता थे। साल 1950 के बाद से ही भाजपा की हर चुनावी संकल्प पत्र का यह

वादा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी देश में यूसीसी लाने का प्रयास करेगी। भारतीय राजनीति की दशा और दिशा को बदलकर रख देने वाले शाह का स्पष्ट मानना है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड एक बहुत बड़ा सामाजिक और कानूनी परिवर्तन है। इस पर सबकी राय जानने के लिए राज्यों में कमिटियाँ बनाई जाएंगी। लाखों लोगों से मिलकर उनकी राय ली जाएगी और इसके आधार पर एक कानून बनेगा, जिसकी लीगल स्कूटी भी

होगी। अंत्योदय की राजनीति करने वाले शाह का मानना है कि सारी प्रक्रियाओं के बाद जो मैच्योर कानून बनेगा, उसे पूरा देश अपने आप स्वीकार करेगा। देश की जनता ने देखा है कि मोदी-शाह की जोड़ी ने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं किया। अपने दल के लिए ही कुछ नहीं किया, उन्होंने जो किया सिर्फ देश की जनता के लिए किया। राजनीति के अंदर लोकतांत्रिक मूल्य को स्थापित करने के लिए मोदी-शाह की जोड़ी ने अभूतपूर्व प्रयास किए हैं।

आरोग्य आयुर्वेद
वैद्य वी के पांडेय
आयुर्वेदाचार्य
क्या आप भी लंबे समय से पेशेवा हैं?
गठिया, माइग्रेन, गुप्त और यौन रोग, एलर्जी, दमा, थाइराइड, बी.पी., शुगर अन्य सभी विमारी का आयुर्वेद से सफल इलाज
समय : सुबह: 07.00-10.00 से दोपहर: 03.00-8.00
फोन नं. 898660318/7352520011
कृपया फोन से अपना अपावटमेंट ले लें।
पता:- टाडगर हिल, मोरावादी, रांची, झारखंड।

BALAJEE UDYOG
The Mark of Excellence
Plot No. 767, OLD H.B. ROAD, OPP. SADHU MAIDAN, KOKAR, RANCHI
Mob. : 9534207055 / 93889-09098 / 0651-3554978 • Email : balajee_udyog@rediffmail.com

बोरिंग के लिए संपर्क करे
जल ही जीवन
993106883
9113754813
रांची के अंदर कहीं भी अच्छे रेट में
Contact for : Deep Boring, 405" 6" 8" Dia All Motor & Pump Fitting, Building Material

वर्मा प्रेस प्रा० लि० रांची
Verma's Today
शुंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—
Class - X Class - IX
Hindi ₹ 140 Hindi ₹ 140
English ₹ 140 English ₹ 140
Mathematics ₹ 140 Mathematics ₹ 140
Science ₹ 140 Science ₹ 140
Social Science ₹ 140 Social Science ₹ 140
Sanskrit ₹ 120 Sanskrit ₹ 120
Hindi - B ₹ 140 Hindi - B ₹ 80
Hindi Vyakaran-II ₹ 120 Hindi Vyakaran-II ₹ 120
English Grammar-II ₹ 120 English Grammar-II ₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II ₹ 100 Sanskrit Vyakaran-II ₹ 100
Hindi Practical ₹ 55 Hindi Practical ₹ 55
English Practical ₹ 55 English Practical ₹ 55
Maths Practical ₹ 65 Maths Practical ₹ 55
Science Practical ₹ 65 Science Practical ₹ 70
S. Science Practical ₹ 65 S. Science Practical ₹ 65
Sanskrit Practical ₹ 55 Sanskrit Practical ₹ 55
Maths Practical (Combined) ₹ 90 Maths Practical (Combined) ₹ 75
Science Practical (Combined) ₹ 90 Science Practical (Combined) ₹ 75
English Medium English Medium
Mathematics ₹ 200 Mathematics ₹ 130
Science ₹ 200 Science ₹ 200
Social Science ₹ 200 Social Science ₹ 130
Maths. Practical ₹ 80 Maths. Practical ₹ 80
Science Practical ₹ 80 Science Practical ₹ 80
S. Science Practical ₹ 80 S. Science Practical ₹ 80
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

उज्जैन में रात बिता मिथक तोड़ने पर सीएम मोहन यादव की दो टूक राजा तो महाकाल हैं, हम तो उनके बेटे

आजाद सिपाही संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन को लेकर एक मिथक रहा है कि यहाँ मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री रात नहीं बिताते हैं। हालांकि, राज्य के नये मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार की रात उज्जैन में बिताकर इस मिथक को तोड़ दिया है। मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं और मुख्यमंत्री बनने के बाद वे शनिवार को यहाँ पहुँचे। इतना ही नहीं उन्होंने रात भी बितायी।



सीएम मोहन यादव ने उज्जैन में एक जनसभा में कहा कि रात न बिताने के मिथक को तत्कालीन राजा दौलत राव सिंधिया ने बनाया था। राजा महादजी सिंधिया के निधन के बाद दौलत राव सिंधिया राजधानी को उज्जैन से ग्वालियर

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अब हम भी कहते हैं कि राजा रात में नहीं रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि अरे राजा तो बाबा महाकाल हैं, हम सब तो उनके बेटे हैं। क्यों रात में नहीं रहेंगे। ब्रह्मांड में कोई बच नहीं सकता, अगर बाबा महाकाल ने टेढ़ी निगाह कर दी तो। मुझे पीएम मोदी ने कहा कि बनारस में संभालता हूँ, मोहन जी, आप तो उज्जैन संभालो। मैं मुख्यमंत्री नहीं मुख्य सेवक हूँ यहाँ पर। संभवतः मध्य प्रदेश की राजनीति में पहला ऐसा अवसर है जब कोई मुख्यमंत्री उज्जैन में रात में रुका। शिवराज सिंह चौहान राज्य के 18 साल मुख्यमंत्री रहे, मगर अपने कार्यकाल के दौरान वे एक भी रात उज्जैन में नहीं रुके।

कृष्णा ज्वेलर्स
समस्या है तो! समाधान भी है!
आचार्य प्रणव मिश्रा
प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न गोल्डमेडल्लिस्ट, M.M.
(ज्योतिषविज्ञान) टॉपर 2012 एवं (P.h.D.) रांची, वि. वि. रांची
गांधी चौक, सोनार गली, वीण वटमालय के सामने अपार बाजार, रांची

Alpha Institute of Computer Education
FREE FRANCHISE
Just call us : 9835502908
Franchise Benefit
All Computer courses
Vocational courses
Authorization Letter
Authorization Certificate
Web Login ID & Password
Study Material Support
Branded Name
PDF Certificate in 24 Hrs
Hard Copy Certificate & Mark sheet
Students Placement Support
Marketing Support
Online & Offline Certificate Verification
Yearly Career Guidance - Seminar in your city
Paper and Media Support

बाबरी पर 1858 में निहंग सिखों ने किया था कब्जा अब उनके वंशज अयोध्या राम मंदिर में चलायेंगे लंगर

आजाद सिपाही संवाददाता

अयोध्या। जिन निहंगों ने 1858 में बाबरी मस्जिद पर कब्जा किया था, अब उनके वंशज अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन यहाँ पर लंगर चलायेंगे। इस बात की जानकारी खुद निहंग सिंह के आठवें वंशज जयदेव बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने दी। उन्होंने चंडीगढ़ में प्रेस काफ्रेंस के दौरान रविवार को यह बातें कहीं। इसके मुताबिक 22 जनवरी के दिन अयोध्या में संगत भी होगी। गौरतलब है कि 1858 की घटना का जिक्र सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर पर फैसला सुनाते वक्त भी किया था। यह वाक्या है साल 1858 के नवंबर महीने का। निहंग बाबा फकीर सिंह खालसा के नेतृत्व में 25 निहंगों ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद पर कब्जा कर लिया। उन्होंने इसमें हवन भी किया। इसके अलावा निहंगों ने मस्जिद की दीवार पर राम-राम लिखा और केसरिया झंडा लहराया। इसको लेकर 30 नवंबर 1858 के दिन अवध पुलिस थाने में 25 निहंगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी। यह एफआईआर मस्जिद के



मुअज्जिन की शिकायत पर दर्ज की गयी थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में जिक्र

इस ऐतिहासिक घटना को तब और महत्व मिला जब 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर पर हिंदुओं के पक्ष में फैसला सुनाया। इस फैसले में इस घटना को आधार बनाया गया था। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बात करते हुए बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने कहा कि वह निहंग सिंह के वंशज तो हैं ही साथ ही भावना राम के सच्चे भक्त भी हैं। अब जब राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी, 2024 को हो रहा है तो मैं भला कैसे पीछे रह सकता हूँ। उन्होंने कहा कि अन्य निहंगों के साथ मैं इस दिन अयोध्या में लंगर

चलाऊंगा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं निहंग सिख हूँ और सिख धर्म के साथ सनातन धर्म में भी बराबर आस्था रखता हूँ।
देश की जरूरत पर हमेशा मौजूद

बाबा हरजीत सिंह ने कहा कि जो लोग भी सिखों और हिंदुओं में मतभेद करने की कोशिश कर लें कि राम मंदिर को लेकर पहली एफआईआर हिंदुओं नहीं, बल्कि सिखों पर हुई थी। बाबा हरजीत सिंह ने कहा कि मेरा किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है और मैं केवल सनातन परंपराओं का वाहक हूँ। निहंगों और सनातन धर्म के बीच समन्वय बनाए रखते हुए मुझे आलोचना का भी सामना करना पड़ा क्योंकि एक तरफ, मैं अमृतधारी सिख हूँ, लेकिन दूसरी तरफ, मैं अपने लले में रुद्राक्ष माला पहनता हूँ। जयदेव बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने अंत में कहा कि जब भी देश और धर्म को जरूरत होगी, वह और उनका परिवार कभी पीछे नहीं हटेगा।